अनुक्रम

संस्कृतम - 1 01-05
संस्कृतम - 2 06-14
संस्कृतम - 3 15-28
संस्कृतम - 4 29-46
संस्कृतम - 5 47-64

संस्कृतम् - 1

प्रथमः पाठः वर्णमाला

1. **दिए गए चित्रों को देखकर उनका स्वर लिखिए–**
   (See the given pictures and write their vowel)

अ

ऊ

ऋ

2. **निम्नलिखित हिंदी शब्दों की संस्कृत लिखिए–**
   (Write the following Hindi words into Sanskrit)

कमल	उत्पलम्	**तलवार**	ऋष्टिः	**शिव**	ईशानः
दवाई	औषधम्	**सूर्य**	आदित्यः	**वस्त्र**	अंशुकम्

3. **निम्नलिखित संस्कृत शब्दों की हिंदी लिखिए–**
   (Write the following Sanskrit words into Hindi)

ओष्ठः	होठ	**एला**	इलायची	**ऐरावतः**	इंद्र का हाथी
ऊर्णम्	ऊन	**अक्षिः**	आँख	**इन्दुः**	चाँद

4. **दिए गए शब्दों के आगे सही चित्र के सामने 3 का निशान लगाइए–**
   (Tick (3) the correct picture against the following words):

उत्पलम्

3

औषधम्

3

अंशुकम

3

5. **दिए गए स्वरों को क्रम में लिखिए–**
   (Write given vowels in sequence):

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः

द्वितीयः पाठः व्यञ्जनानि

1. निम्नलिखित चित्रों को देखकर उनका व्यंजन वर्ण लिखिए–
(See the following pictures and write their consonants)

घ

छ

ज

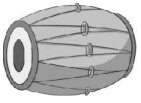
ढ

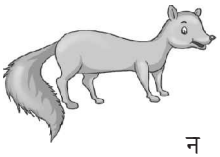
न

भ

2. चित्र को देखकर रिक्त स्थान भरिए–
(See the picture and fill in the blanks)

गजः

डल्लकम्

ठठकः

तण्डुलम्

फणिः

ज्ञानिन्

3. निम्नलिखित हिंदी शब्दों की संस्कृत लिखिए–
(Write the following Hindi words into Sanskrit)

गधा	खरः	**चोंच**	चञ्चुः	**मछली**	झषः
बौना	टः	**नेवला**	नकुलः	**बकरा**	बस्तः
मेंढक	मण्डूकः	**बढ़ई**	वर्धकः		

4. निम्नलिखित संस्कृत शब्दों की हिंदी लिखिए–
(Write the following Sanskrit words into Hindi)

ठठकः	ठठेरा	**थः**	पर्वत	**धनिकः**	अमीर
दरिद्रः	गरीब	**पताका**	झण्डा	**रजकः**	धोबी
हयः	घोड़ा	**श्रमिकः**	मजदूर		

5. निम्नलिखित व्यंजनों को उनके उचित वर्ग में लिखिए–
(Write the following consonants in their appropriate group):

'क' वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
'च' वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
'ट' वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण

'त' वर्ग	त	थ	द	ध	न
'प' वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंतःस्थ वर्ण	य	र	ल	व	–
ऊष्म वर्ण	श	ष	स	ह	–
संयुक्त वर्ण	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	–

तृतीयः पाठः अमात्राः मात्राः च शब्दाः

चित्रों को देखकर रिक्त स्थान में उचित मात्रा का प्रयोग कीजिए–

(See the picturers and use the appropriate moras in the blanks)

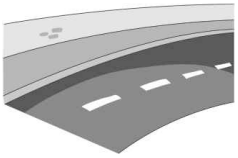

व + ी + थि

म + य + ू रः

स + ो + प + ा + नः

घ + ृ + त + म्

श + ै + लः

चतुर्थः पाठः संज्ञा शब्दाः

1. **निम्नलिखित हिंदी शब्दों को संस्कृत में लिखिए–**

   (Write the following Hindi words into Sanskrit)

कबूतर	कपोतः	**उल्लू**	उलूकः	**बकरी**	अजा
कछुआ	कच्छपः	**केकड़ा**	कुलीरः	**कुम्हार**	कुलालः

2. **निम्नलिखित संस्कृत शब्दों को हिंदी में लिखिए–**

   (Write the following Sanskrit words into Hindi)

काकः	कौआ	**वर्तिका**	बतख	**कुक्कुरः**	कुत्ता
नकुलः	नेवला	**चिक्रोडः**	गिलहरी	**भारवाहः**	कुली

3. **चार पक्षियों के नाम संस्कृत में लिखिए–**

   (Write name of four birds in Sanskrit)

   मयूरः बकः शुकः पिकः

4. **चार पशुओं के नाम संस्कृत में लिखिए–**
(Write name of four animals in Sanskrit)
धेनुः गर्दभः उष्ट्रः सिंहः

5. **चार जंतुओं के नाम संस्कृत में लिखिए–**
(Write name of four creatures in Sanskrit)
नकुलः मूषकः कर्णजलोका गृहगोधिका

6. **चार व्यवसायों के नाम संस्कृत में लिखिए–**
(Write name of four occupations in Sanskrit)
भृत्यः चर्मकारः कांस्यकारः लौहकारः

पञ्चमः पाठः लिङ्ग शब्दाः

निम्नलिखित शब्दों में पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग तथा नपुंसकलिङ्ग शब्दों का चयन कीजिए–
(Choose the male, female and neuter genders in the following words)

पुल्लिङ्ग	–	सिंहः	वृषभः	अजः	काकः	भृत्यः	
स्त्रीलिङ्ग	–	अजा	लताः	देवी	छात्रा	धेनुः	
नपुंसकलिङ्ग	–	पुष्पम्	गृहम्	पुस्तकम्	कन्दुकम्	वारि	फलम्

षष्ठः पाठः अस्माकं सम्बन्धीः

1. **निम्नलिखित हिंदी शब्दों के नाम संस्कृत में लिखिए–**
(Write the following Hindi words into Sanskrit)

पिता	=	जनकः	**माता**	=	जननी
चाचा	=	पितृव्यः	**चाची**	=	पितृव्य पत्नी
दादा	=	पितामहः	**दादी**	=	पितामही
मामा	=	मातुलः	**मामी**	=	मातुलानी
पुत्र	=	आत्मजः	**पुत्री**	=	आत्मजा
भाई	=	भ्राता	**बहन**	=	भगिनी

2. **अपने परिवार के कम से कम छः संबंधियों के नाम संस्कृत में लिखिए–**
(Write the name of at least six relatives of your family into Sanskrit)
स्वयं करें।

सप्तमः पाठः वचनः पुरुषः सर्वनामश्च

1. **सही विकल्प का चयन कीजिए–**
(Select the correct option)
(क) (स) तीन **(ख)** (स) तीन **(ग)** (अ) इदम्

2. रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरिए–

(Fill the appropriate words in the blanks)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमः पुरुषः	**सः**	तौ	**ते**
मध्यमः पुरुषः	**त्वम्**	**युवाम्**	यूयम्
उत्तमः पुरुषः	अहम्	**आवाम्**	**वयम्**

3. निम्नलिखित शब्दों के एकवचन, द्विवचन तथा बहुवचन लिखिए–

(Write the singular number, bi-number and plural number of the following words)

		एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
अश्वः	**= घोड़ा**	हयः	हयो	हयाः
बालकः	**= बालक**	बालकः	बालकौ	बालकाः
देवः	**= देवता**	देवः	देवौ	देवाः

नवमः पाठः अस्माकं देशः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Write answer of the following questions)

(क) अस्माकं देशस्य नाम भारतवर्षम् अस्ति।

(ख) भारत देशस्य राजधानी दिल्ली अस्ति।

(ग) हिमालयात् गङ्गा-यमुना-ब्रह्मपुत्रः इति नद्याः प्रवहन्ति।

(घ) अस्माकं राष्ट्रीयः पशुः व्याघ्रः अस्ति। राष्ट्रीयः च पक्षी मयूरः अस्ति।

संस्कृतम् - 2

प्रथमः पाठः अकारान्त पुल्लिङ्ग शब्दाः

1. **निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–**
   (Write the following words into Sanskrit)

घोड़ा	=	अश्वः	**बकरा**	=	अजः	**धोबी**	=	रजकः
हिरन	=	मृगः	**शेर**	=	सिंहः	**पहाड़**	=	पर्वतः

2. **निम्नलिखित शब्दों के हिंदी में अर्थ लिखिए–**
   (Write the meaning in Hindi of the following words)

नृपः	=	राजा	**देवः**	=	देवता	**बालकः**	=	बालक

3. **निम्नलिखित चित्रों को देखकर उनका नाम संस्कृत में लिखिए–**
   (See the following pictures and write their names in Sanskrit)

देवः

रजकः

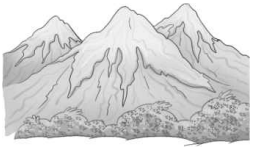

पर्वतः

नृपः

मृगः

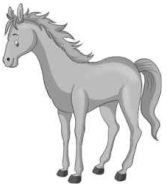

अश्वः

द्वितीयः पाठः आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दाः

1. **रिक्त स्थान भरिए–**
   (Fill in the blanks)

दोला **वर्ति**का को**किला** **चट**का **मक्षि**का **ल**ता

2. **निम्नलिखित शब्दों की संस्कृत लिखिए–**
   (Write the following words into Sanskrit)

घड़ी	=	घटिका	**घंटी**	=	घण्टिका	**मक्खी**	=	मक्षिका
चिड़िया	=	चटका	**बकरी**	=	अजा	**बत्तख**	=	वर्तिका

3. निम्नलिखित चित्रों को देखकर उनका नाम संस्कृत में लिखिए–
(See the following pictures and write their names in Sanskri)

सारिका

मक्षिका

घण्टिका

पिपीलिका

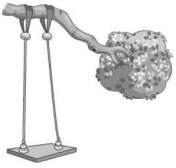

दोला

लता

तृतीय : पाठः अकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्दाः

1. निम्नलिखित शब्दों में से नपुंसकलिङ्ग शब्दों का चयन कीजिए–
(Select neuter words from the following words)
नपुंसकलिङ्ग शब्द –

फलम् नेत्रम् घटम् आम्रम् वायुयानम् भवनम्

2. निम्नलिखित शब्दों की संस्कृत लिखिए–
(Write the following words into Sanskrit)

पहिया = चक्रम् **घर** = गृहम् **फूल** = पुष्पम्
फल = फलम् **पत्ता** = पर्णम् **आम** = आम्रम्

3. इन चित्रों को देखिए और उनके नाम संस्कृत में लिखिए–
(See the pictures and write their names into Sanskrit)

चक्रम्

पत्रम्

नेत्रम्

भवनम्

घटम्

छत्रम्

चतुर्थः पाठः प्रथमा विभक्ति

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–**
   (Answer the following questions in Sanskrit)
   (क) रामः पठति। **(ख)** कृषकाः क्षेत्रं गच्छन्ति। **(ग)** मार्जारः दुग्धम् पिबति।
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
   (Fill in the blanks)
   (क) पत्रम् **(ख)** धावतः **(ग)** वयम्
3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
   (Translate into Sanskrit)
   (क) मोहनः पठति। **(ख)** कृषकाः कुत्र गच्छन्ति? **(ग)** वयम् दुग्धम् पिबामः।
   (घ) तौ किम् कुरुतः? **(ङ)** कपोताः उड्डयन्ति।

पञ्चमः पाठः द्वितीया विभक्ति

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**
   (Answer the following questions in Sanskrit)
   (क) विधुः भोजनम् खादति। **(ख)** बालिका वीणा वादयति।
   (ग) वर्धकौ फलको रचयतः।
2. **निम्नलिखित शब्दों की द्वितीया विभक्ति लिखिए–**
   (Write the following words in द्वितीया विभक्ति)

दो चित्र	चित्रौ	**बहुत से फल**	फलानि	**दो बकरी**	अजौ
दो मेज	फलको	**दो वस्त्र**	वस्त्रौ	**दूध**	दुग्धम्
तिनके	तृणानि	**वीणा**	वीणा	**भोजन**	भोजनम्

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
   (Fill in the blanks)
   (क) वीणा **(ख)** वस्त्रसेवकौ **(ग)** तृणानि
4. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
   (Translate into Sanskrit)
   (क) राजेशः पाठम् स्मरति। **(ख)** बालकाः सुलेखम् लिखन्ति।
   (ग) कृषकौ चित्रम् पश्यतः। **(घ)** छात्राः पुस्तकानि नीत्वा आगच्छन्ति।
   (ङ) वैज्ञानिकाः शोधयन्ति।

षष्ठः पाठः तृतीया विभक्ति

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**
   (Answer the following questions in Sanskrit)
   (क) सीता रामेण सह वनं गच्छति। **(ख)** कमलानि जले विकसन्ति।
   (ग) रामः बाणेन रावणं हतवान्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) पुष्पैः **(ख)** क्षुरिकया **(ग)** जनकेन

3. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**
(Make the sentence from following words)
(क) सीता रामेण सह वनं गच्छति। **(ख)** राजः छुरिकया फलम् कर्तयति।
(ग) सः क्षुरिकया सेवम् कर्तयति।

4. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) छात्राः कन्दुकेन क्रीडन्ति। **(ख)** राधा रमेशेण सह दिल्लीं गच्छति।
(ग) सः क्षुरिकया फलम् कर्तयति। **(घ)** राधिका पदेन खञ्जः अस्ति।
(ङ) सः कलमेन पत्रम् लिखति।

सप्तमः पाठः चतुर्थी-पंचमी विभक्ति

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**
(Answer the following questions in Sanskrit)
(क) मोहनः कुक्कुराय रोटिकाम् यच्छति। **(ख)** गणेशाय मोदकम् रोचते।
(ग) गङ्गा हिमालयात् प्रभवति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) पुत्राय **(ख)** जलाय **(ग)** विद्यालयात् **(घ)** कुतः

3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) नृपः विप्राय दानं यच्छति। **(ख)** भृत्यः कुक्कुराय रोटिकाम् यच्छति।
(ग) बालकाः बालिकाः च पठितुं विद्यालयम् गच्छन्ति।
(घ) वृक्षात् पुष्पाणि पतन्ति। **(ङ)** वयम् उपवनात् आगच्छामः।

अष्टमः पाठः षष्ठी-सप्तमी विभक्ति

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
(Answer the following questions)
(क) रामस्य मित्रस्य नाम केशवः अस्ति। **(ख)** विद्यालयस्य वातावरणः अति सुन्दरः अस्ति।
(ग) एकम् उटजम् वने अस्ति। **(घ)** अनेके वानराः वृक्षेषु कूर्दन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) सरोवरस्य **(ख)** वृक्षस्य **(ग)** नगरे **(घ)** आकाशे

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) इदम् मम मित्रस्य उद्यानम् अस्ति। **(ख)** एतस्य विद्यालयस्य सर्वे छात्राः अत्र न सन्ति।

(ग) तस्य भगिनी अत्र न निवसति। **(घ)** एतस्मिन् वने एकं रमणीयं आश्रमं आसीत्।

(ङ) वृक्षेषु बहूनि फलानि आसन्।

नवमः पाठः सम्बोधन

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer the following questions)

(क) मदनः पाठं पठति। **(ख)** मदनस्य माता तम् आपणम् प्रेषयति।

(ग) आपणात् लवणं, शर्करां गुध च आनयम् अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) अम्ब **(ख)** वत्स! **(ग)** वत्स!, गुध्

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) हरि! अत्र आगच्छतु। **(ख)** राजू! त्वां अध्यापकः आह्वयति।

(ग) रे पुत्र! किम् त्वम् आपणं गमिष्यसि? **(घ)** हे अम्ब! अहम् कार्यं पूर्णं करिष्यामि।

(ङ) रे बालकाः! अत्र आगच्छतु।

दशमः पाठः नीतिवचनानि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer the following questions)

(क) विद्या विनयं ददाति। **(ख)** येन बालो न पठितः, माता-पिता शत्रुः भवतः।

(ग) सुखार्थिनः विद्या नास्ति। **(घ)** कार्याणि उद्यमेन सिध्यन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) **विद्यां ददाति** विनयं विनयाद् याति **पात्रताम्**
पात्रत्वात् धनम् **आप्नोति** धनात् धर्मं **ततः सुखम्।।**

(ख) **उद्यमेन हि** सिध्यन्ति कार्याणि **न मनोरथैः।**
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशति **मुखे मृगाः।।**

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

विनयाद्	=	पंचमी विभक्ति	**पात्रताम्**	=	द्वितीया विभक्ति
धनात्	=	पंचमी विभक्ति	**बालो**	=	प्रथमा विभक्ति

सुखार्थिनः	=	प्रथमा विभक्ति	**विद्याम्**	=	द्वितीया विभक्ति
उद्यमेन	=	तृतीया विभक्ति	**कार्याणि**	=	प्रथमा विभक्ति
मनोरथैः	=	तृतीया विभक्ति	**सिंहस्य**	=	षष्ठी विभक्ति
मुखे	=	सप्तमी विभक्ति	**मृगाः**	=	प्रथमा विभक्ति

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) विनयात् पात्रताम् याति। **(ख)** धनेन धर्मस्य कार्याणि भवन्ति।

(ग) येन स्वबालो न पठितः तेनस्य शत्रुः भवन्ति। **(घ)** सुखार्थिनः विद्यायाः त्यजेत्।

(ङ) परिश्रमेण हि कार्याणि सिध्यन्ति।

एकादशः पाठः प्रथम पुरुषः

1. उचित शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–
(Fill in the blank with appropriate words)

(क)	**एकवचनं**	**द्विवचनं**	**बहुवचनं**
पुल्लिङ्ग	**एषः**	एतौ	**एते**
स्त्रीलिङ्ग	एषा	**एते**	**एताः**
नपुंसकलिङ्ग	**एतत्**	**एते**	एतानि

(ख)	**एकवचनं**	**द्विवचनं**	**बहुवचनं**
पुल्लिङ्ग	**सः**	**तौ**	ते
स्त्रीलिङ्ग	**सा**	ते	**ताः**
नपुंसकलिङ्ग	तत्	**ते**	**तानि**

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) एतौ पठतः। **(ख)** सा कूजति। **(ग)** तानि पुष्पाणि सन्ति।

(घ) ते धावन्ति। **(ङ)** एते गायन्ति।

द्वादशः पाठः मध्यम पुरुषः

1. सही मिलान कीजिए–
(Matching it rightly)

(क)	**(ख)**
त्वम्	क्रीडथः
युवाम्	क्रीडथ
यूयम्	क्रीडसि

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) त्वम् **(ख)** धावथ **(ग)** युवाम्

3. **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए–**
(Correct the following sentence)
(क) यूयम् खादथ। **(ख)** त्वम् गच्छसि। **(ग)** युवाम् कूर्दथः।

4. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) यूयम् फलानि खादथ। **(ख)** त्वम् एतत् पत्रं लिखसि।
(ग) युवाम् किम् करोषि? **(घ)** त्वम् क्षेत्रं गच्छसि।
(ङ) यूयम् धावत।

त्रयोदशः पाठः उत्तम पुरुषः

1. **सही मिलान कीजिए–**
(Matching it rightly)

(क)	**(ख)**
अहम्	हसावः
आवाम्	पिबामः
वयम्	लिखामि

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) अहम् **(ख)** नृत्यामः **(ग)** आवाम्

3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) अहम् क्षेत्रं गच्छामि। **(ख)** वयम् क्रीडामः।
(ग) आवाम् एतस्मिन् विद्यालये पठावः। **(घ)** अहम् हरिद्वार नगरे निवसामि।
(ङ) आवाम् चित्रं पश्यावः।

चतुर्दशः पाठः बकः लोमशा

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**
(Answer the following questions in Sanskrit)
(क) वने एकः लोमशा बकः च निवसतः स्म।
(ख) सर्वप्रथमेव लोमशा बकम् निमन्त्रणः अकरोत्।
(ग) लोमशा स्वभावेन कुटिला भवति। **(घ)** लोमशा स्व व्यावहारेण अतीव लज्जिता अभवत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) तौ **(ख)** बुभुक्षा **(ग)** श्रुत्वा लोमशा **(घ)** केवलम्, सर्व भोजनम्

3. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–**
(Write the case of the following words)

वने	सप्तमी	**तौ**	प्रथमा	**लोमशा**	प्रथमा
निमन्त्रेणन	तृतीया	**स्वभावेन**	तृतीया	**बकस्य**	षष्ठी
स्थाल्याम्	सप्तमी	**स्थालीतः**	पञ्चमी		

4. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)

(क) वने एकः लोमशा बकः च अनिवसत्। **(ख)** त्वम् मया सह भोजनं करिष्यसि।

(ग) बकः स्थालीतः भोजनं ग्रहणे समर्था न अभवत्। **(घ)** लोमशा सर्व भोजनम् अभक्षयत्।

(ङ) यथा सा कृतः तथा अहम् अपि करिष्यामि।

पञ्चदशः पाठः अमृतवचनानि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**
(Answer the following questions in Sanskrit)

(क) यदा धर्मस्य ग्लानिः भवति तदा श्रीकृष्णः आत्मानं सृजति।

(ख) अलसस्य विद्या, धनम्, मित्रम् सुखम् च न आप्नोति।

(ग) शोकः धैर्य श्रुतम् च नाशयते।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)

(क) **सर्वे भवन्तु** सुखिनः **सर्वे सन्तु** निरामया ।
सर्वे भद्राणि **पश्यन्तु मा कश्चित्** दुःखभाग **भवेत्।।**

(ख) **शोको** नाशयते **धैर्य ,** शोको नाशयते **श्रुतम्।**
शोको नाशयते सर्वं **नास्ति** शोक समो **रिपुः।।**

3. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–**
(Write the case of the following words)

धर्मस्य	षष्ठी	**अभ्युत्थानम**	द्वितीया	**सुखिनः**	प्रथमा
निरामया	प्रथमा	**भद्राणि**	प्रथमा	**दुःखभाग**	प्रथमा
अलसस्य	षष्ठी	**धनम्**	द्वितीया	**शोको**	प्रथमा

3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)

(क) यदा धर्मस्य ग्लानि भवति तदा अहम् सृजामि। **(ख)** सर्वे भद्राणि पश्यन्तु।

(ग) अलसस्य विद्या न आप्नोति। **(घ)** शोकः ज्ञानम् नाशयति।

षोडशः पाठः वृक्षाः अस्माकं सम्पत्तिः सन्ति

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–
(Answer the following questions in Sanskrit)

(क) वृक्षाः जनान् स्वच्छम् वायुः ददति।

(ख) अस्माकं पूर्वजः अमन्यते यत् एकः वृक्षः दश पुत्र समानो भवति।

(ग) वृक्षस्य वर्णः हरितः भवति।

(घ) प्रत्येकस्य नागरिकस्य एतत् कर्त्तव्यम् यत् तेन् वृक्षारोपणं अवश्यं कर्त्तव्यम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) फलैः पर्णैः पुष्पैः **(ख)** स्वच्छम्

(ग) श्रान्ताः , वृक्षाणां छायायां विश्रामं **(घ)** विद्यालयेषु , वृक्षारोपणं

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) वृक्षाः स्वच्छम् वायु ददति। **(ख)** वृक्षाः प्राणरहितं न भवन्ति।

(ग) वयम् वृक्षस्य छायायां विश्रामं कुर्यामः। **(घ)** प्रत्येकं नागरिकं वृक्षारोपणं कर्त्तव्यम्।

(ङ) वृक्षाः अस्माकं संपत्ति सन्ति।

4. 'कृ' धातु तथा 'दा' धातु के प्रथम पुरुष के रूप लिखिए–
(Write 'रूप' of first person of 'कृ' Oeeleg and 'दा' Oeeleg)

'कृ' धातु प्रथम पुरुष

एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
करोति	कुरुतः	कुर्वन्ति

'दा' धातु प्रथम पुरुष

एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
ददाति	दत्तः	ददति

संस्कृतम् - 3

वन्दनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) सरस्वती शुक्ल वर्णस्य अस्ति।

(ख) भगवती शारदा वीणा-पुस्तकम् धारयति।

(ग) माता सरस्वती पदमासने संस्थिता।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सार परमाम् आद्या **(ख)** जाड्यान्धकारापहाम् **(ग)** परमेश्वरीम्

3. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) भगवती शारदा अस्मश्यं बुद्धिं प्रददातु।

(ख) माता सरस्वती पदमासने संस्थिता।

(ग) शारदा माता जाड्यान्धकारंम् अपहरतु।

(घ) अहम् सरस्वती मातरम् नमामि।

प्रथमः पाठः विद्यार्थी जीवनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) मनुष्यस्य विषये कथ्यते यत् मनुष्यः यावज्जीवं विद्यार्थी अस्ति।

(ख) प्रत्येकः मनुष्यः पञ्च विंशतिवर्षाणिः विद्यार्जनं करोति।

(ग) प्राचीनकाले छात्राः गुरुकुलं गच्छन्ति स्म।

(घ) अधुना विद्यार्थिनां जीवनस्तरः उच्चतरः अभवत्।

(ङ) यदि छात्रः अनुशासितः भवति, तदा तस्मै किमपि दुष्करं न भवति।

(च) विद्यार्थी जीवने पठनेन सह क्रीडनमपि आवश्यकम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) इदं **(ख)** शिशुविद्यालयात् **(ग)** गुरुकुलं

(घ) विद्यार्थिना **(ङ)** समस्तजीवने **(च)** आदर्शः नागरिकः

3. निम्न शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

कथ्यते – **इदम्** प्रथमा **जीवने** सप्तमी

जीवनस्य	षष्ठी	**विद्यालयात्**	पंचमी	**छात्राः**	प्रथमा
शिक्षार्थं	द्वितीया	**उच्चतरः**	प्रथमा	**आधारः**	प्रथमा
संस्कारान्	द्वितीया	**विद्यापठने**	सप्तमी	**दुष्करं**	प्रथमा
वातावरणे	सप्तमी	**समये**	सप्तमी	**देशस्य**	षष्ठी

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) मनुष्यः यावज्जीवं पठति। **(ख)** सः विद्यालयात् शिक्षां प्राप्नोति।

(ग) विद्यार्थिनां जीवनस्तरः उच्चतरः भवति। **(घ)** अनुशासित छात्रस्य जीवनं दुष्करं न भवति।

द्वितीयः पाठः अस्माकं ग्रामम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer the following questions)

(क) ग्रामस्य नाम राजनगरम् अस्ति।

(ख) ग्रामस्य जनाः अति सरलाः भवन्ति।

(ग) ग्रामस्य जनाः सर्वेभ्यः अन्नानि, शाकानि, फलानि च उत्पादयन्ति।

(घ) ग्रामस्य प्रधानस्य नाम श्यामलालः अस्ति।

(ङ) रविदत्तः विद्यालयस्य प्रधानाध्यापकः अस्ति।

(च) ग्रामस्य वातावरणं स्वच्छं शुद्धं च भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) पशुपालनम् **(ख)** सप्तशिक्षिकाः **(ग)** कृषकः **(घ)** स्वग्रामात् , प्रेम

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

(क) ग्रामस्य	षष्ठी	**(ख)**	**दृश्यम्**	द्वितीया
(ग) अस्माकं	षष्ठी	**(घ)**	**सुन्दरम्**	द्वितीया
(ङ) सर्वेभ्यः	चतुर्थी/पंचमी	**(च)**	**अन्नानि**	प्रथमा
(छ) शिक्षिकाः	प्रथमा	**(ज)**	**विद्यालये**	सप्तमी
(झ) पादकन्दुकेन	तृतीयाः	**(ञ)**	**वृक्षेषु**	सप्तमी

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) अस्माकम् ग्रामस्य नाम राजनगरः अस्ति।

(ख) अस्माकम् ग्रामस्य प्रधान श्यामलालः अस्ति।

(ग) सर्वे अध्यापकाः स्नेहेन पाठयन्ति।

(घ) तत्र विभिन्नानि वर्णानि पुष्पाणि विकसन्ति।

(ङ) वयं सर्वे क्रीडाङ्गने पादकन्दुकेन क्रीडामः।

तृतीयः पाठः सुभाषितानि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer of the following questions)

(क) विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।

(ख) मूर्खस्य पञ्चाचिह्नानि सन्ति।

(ग) तृष्णां सर्वथा नैव परित्यजेत् यत् इमानि कदापि शान्तं न भवति।

(घ) विचक्षणाः वर्तमाने काले वर्तयन्ति।

(ङ) प्रवासेषु मित्रं विद्या अस्ति।

(च) आलस्यं मनुष्याणां महान् रिपुः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) **मूर्खस्य** पञ्च **चिह्नानि गर्वो** दुर्वचनम् **तथा।**
क्रोधश्च **दृढ़वादश्च** परवाक्येष्वनादरः ॥

(ख) **गते शोको न** कर्त्तव्यो **भविष्यं नैव** चिन्तयेत्।
वर्तमानेन कालेन वर्तयन्ति **विचक्षणाः॥**

3. निम्न शब्दों की विभक्ति लिखिए–
(Write the case of the following)

विद्वत्वं	द्वितीया	**तुल्ये**	सप्तमी	**स्वदेशे**	सप्तमी
चिह्नानि	प्रथमा	**दुर्वचनम्**	द्वितीया	**तृष्णां**	द्वितीया
गते	सप्तमी	**वर्तमानेन**	तृतीया	**प्रवासेषु**	सप्तमी
आलस्यं	द्वितीया	**मनुष्याणां**	षष्ठी	**बन्धुः**	प्रथमा

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) नृपः स्वदेशे हि पूज्यते।

(ख) मूर्खस्य पञ्चचिह्नानि भवन्ति।

(ग) निज वित्तम् भोक्तव्यम्।

(घ) विचक्षणाः गते शोको न कुर्वन्ति।

(ङ) उद्यमी कदापि नावसीदति।

5. दूसरे व तीसरे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गर्वो दुर्वचनम् तथा।
क्रोधश्च दृढ़वादश्च परवाक्येष्वनादरः।।

हिन्दी अनुवाद– मूर्ख के पाँच चिह्न होते हैं– घमंड, बुरे वचन, क्रोध, हठ और दूसरों के वाक्यों का अनादर।

अतितृष्णा न कर्त्तव्या तृष्णां नैव परित्यजेत्।
शनैः शनैश्च भोक्तव्यं स्वयं वित्तम् उपार्जितम्।।

हिन्दी अनुवाद– अधिक इच्छाएँ न करनी चाहिए, परन्तु इच्छाओं का बिल्कुल त्याग भी नहीं करना चाहिए। अपने द्वारा कमाए धन का धीरे-धीरे उपभोग करना चाहिए।

चतुर्थः पाठः गङ्गा नदी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) गङ्गा भारतस्य देशस्य नदी अस्ति।

(ख) गङ्गा हिमालयस्य गङ्गोत्री स्थानात् निर्गच्छति।

(ग) गङ्गायाः उत्पत्तिविषये एकाकथा प्रचलिता अस्ति। एकदा प्राचीन समये एकः भगीरथः नाम्नः नृपः स्व पूर्वजानाम् उद्धाराय तपस्याम् अकरोत्। तपस्यायाः प्रभावेन सः गङ्गां स्वर्गात् भूतले आनयत्। अतएव गङ्गा 'भागीरथी' अपि कथयन्ति।

(घ) गङ्गायाः तटे ऋषिकेशः, हरिद्वारः, कानपुरः, प्रयागः, वाराणसी, कोलकाता च एतानि प्रमुखानि नगराणि सन्ति।

(ङ) गङ्गायाः प्रवाहात् निस्सरिताः अनेकाः कुल्याः क्षेत्राणि सिञ्चन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) गङ्गायाः जलस्य **(ख)** हरिद्वारतीर्थे, लक्षशः **(ग)** भागीरथी **(घ)** पुण्या महानदी

3. रेखांकित शब्दों की विभक्ति बताइए–

(Write the case of underlined words)

(क) षष्ठी **(ख)** सप्तमी **(ग)** षष्ठी **(घ)** पंचमी **(ङ)** प्रथमा

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) गंगायाः जलं शीतलं निर्मलं च अस्ति।

(ख) गङ्गान् भगीरथः स्वर्गात् पृथ्वयाम् आनयत्।

(ग) हरिद्वारे नगरे गङ्गायाः तटे महान जनसर्म्मदः भवति।

(घ) कानपुरः प्रयागः वाराणसी च गङ्गायाः तटे स्थितः अस्ति।

(ङ) धन्या एषा पुण्या महानदी गङ्गा।

पञ्चमः पाठः होलिकोत्सवः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer the following questions)

(क) प्रहलादस्य पितुः नाम हिरण्यकशिपुः आसीत्।

(ख) प्रहलादः ईश्वरभक्तः अभवत्।

(ग) हिरण्यकशिपुः स्वपुत्रं मारयितुम् अयतत।

(घ) हिरण्यकशिपोः भगिन्याः नाम होलिका आसीत्।

(ङ) होलिकोत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां मन्यते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सर्वजनानां **(ख)** हिरण्यकशिपुः **(ग)** प्रहलादः **(घ)** स्वभगिनी होलिकया **(ङ)** रङ्गरञ्जितम्

3. निम्न शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

सर्वजनानां	षष्ठी	**प्रहलादः**	प्रथमा	**स्वपुत्रात्**	पंचमी
प्रसादेन	तृतीया	**प्रहलादस्य**	षष्ठी	**भस्मसात्**	पंचमी
अन्ते	सप्तमी	**उत्सवावसरे**	सप्तमी		

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) होलिकोत्सवः भारतस्य प्रसिद्धः उत्सवः अस्ति।

(ख) प्रहलादस्य पितुः नाम हिरण्यकशिपुः आसीत्।

(ग) होलिका हिरण्यकशिपोः भगिनी आसीत्।

(घ) जनाः होलिकात्सवावसरे नृत्यन्ति गायन्ति च।

(ङ) होलिकोत्सवे जनाः परस्परं रङ्गरञ्जितम् जलं प्रक्षिपन्ति।

षष्ठः पाठः स्वतन्त्रता दिवसः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) अस्माकं देश 1947 तमस्य वर्षस्य अगस्तस्य मासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के स्वतन्त्रम् अभवत्।

(ख) स्वतन्त्रता दिवसः इतिहासे सुवर्णाक्षरैः अंकितः अस्ति।

(ग) अस्मिन् अवसरे प्रधानमंत्री ध्वजारोहणं करोति।

(घ) रक्तदुर्गः (लाल किला) दिल्ली नगरे स्थितः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) जीवजन्तयोः **(ख)** प्रधानमंत्री **(ग)** इतिहासे **(घ)** प्रधानमंत्री

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) स्वतंत्रता सर्वेभ्यः प्राणिभ्यः प्रिया भवति।

(ख) अयं दिवसः इतिहासे सुवर्णाक्षरैः अंकितः अस्ति।

(ग) रक्त दुर्गः दिल्ली नगरे स्थितः अस्ति।

(घ) देशस्य प्रधानमन्त्री रक्तदुर्गस्य प्राचीरे देशं सम्बोधयति।

सप्तमः पाठः नीति श्लोकाः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer of the following questions)

(क) विद्या विनयं ददाति।

(ख) लोके चन्दनं शीतलं मन्यते।

(ग) पाणिः दानेन सुशोभितः भवति।

(घ) साहित्य संगीतकाल विहीनः साक्षातपशु भवति।

(ङ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) **विद्यां ददाति** विनयं **विनयाद् याति** पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनामाप्नोति **धनात् धर्म ततः** सुखम्॥

(ख) **यत्र नार्यस्तु** पूज्यन्ते **रमन्ते तत्र** देवताः।
यत्र **एताः तु न पूज्यन्ते** सर्वास्तत्रफलाः **क्रियाः**॥

3. निम्न शब्दों की विभक्ति लिखिए–
(Write the case of the following)

विनयाद्	पंचमी	**पात्रताम्**	द्वितीया	**पात्रत्वात्**	पंचमी
लोके	सप्तमी	**श्रोत्रं**	द्वितीया	**कुंडलनेन**	तृतीया
पशुनाम्	षष्ठी	**अफलाः**	प्रथमा	**क्रियाः**	प्रथमा

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) विनयाद् पात्रताम् आयाति।

(ख) धर्मात् सुखम् आप्नोति।

(ग) चन्दनं शीतलं मन्यते।

(घ) सज्जनानाम् संगतिः शीतलां ददाति।

(ङ) श्रोत्राणाम् शोभा श्रुतेनैव भवति।

(च) साहित्य, संगीत, कलाविहीनः च मनुष्यः साक्षात् पशुः भवति।

(छ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, तत्र देवताः रमन्ते।

अष्टमः पाठः साधुनाम् जीवनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer of the following questions)

(क) गङ्गातीरे एकाः साधुः आसीत्।

(ख) नदी प्रवाहे एकः वृश्चिकः आगतः।

(ग) साधुः वृश्चिकं दृष्ट्वा तम् हस्तेन गृहीतवान्।

(घ) पुरुषः साधुं अकथयत् – ''साधु महाराज! अयं वृश्चिकः दुष्टः। सः पुनः-पुनः दशति। भवान् किमर्थं तं हस्ते वृथा स्थापयति। वृश्चिकं त्यजतु।''

(ङ) साधोः प्रवृत्ति परोपकार स्वभावं भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) उपकारं **(ख)** वृश्चिकं **(ग)** वृश्चिकः **(घ)** अपकारिणाम्, उपकारं

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

नदी के किनारे एक पुरुष था। वह बोला– साधु महाराज, यह बिच्छु दुष्ट है, वह बार-बार डंक मारता है। आप उसे क्यों व्यर्थ में हाथ में ले रहे हैं। बिच्छु को त्याग दो। साधु बोला– बिच्छु क्षुद्र जन्तु है। डंक मारना उसका स्वभाव है। वह अपना स्वभाव नहीं छोड़ सकता। मैं तो मनुष्य हूँ। मैं अपना परोपकार का स्वभाव क्यों छोड़ूँ। जो अपकारी का भी उपकार करता है, वह ही साधु होता है।

4. निम्न शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

तीरे	सप्तमी	**उपकारं**	द्वितीया	**प्रवाहे**	सप्तमी
हस्तेन	तृतीया	**हस्तम्**	द्वितीया	**दशनं**	द्वितीया
मनुष्यः	प्रथमा	**अपकारिणाम्**	षष्ठी	**साधुः**	प्रथमा

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) एकः साधुः गङ्गायाः तटे अनिवसत्। **(ख)** वृश्चिकः साधुं अदशत्।

(ग) साधुः वृश्चिकं हस्तेन गृहीतवान्। **(घ)** साधुः बहुः उपकारः करोति स्म।

(ङ) दुर्जनस्य स्वभाव सर्वदा दुष्टः भवति।

नवमः पाठः मूर्खकच्छपः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer the following questions)

(क) कच्छपः नाम कम्बुग्रीवो अस्ति।

(ख) कच्छपः जलाशये अनिवसत्।

(ग) कच्छपस्य मित्रो सङ्कटविकट नाम्नी हंसौ आसीत्।

(घ) जलाशय काले नाना वृष्टिवशात्सरः शनैः शनैः शोषमगमत्।

(ङ) अन्ते कच्छप अर्धोक्त एव पतितः खण्डशः कृतश्च।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) जलाशये कम्बुग्रीवो **(ख)** कालेनानावृष्टिवशात्सरः **(ग)** चिन्त्यामिति

(घ) दृढ़रज्जुः लघुकाष्ठं

3. निम्नलिखित अवतरण का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

(क) एक जलाशय (झील) में कम्बुग्रीव नाम का कछुआ रहता था। उसके संकट और विकट नाम के दो हंस घनिष्ठ मित्र थे। प्रतिदिन तीनों झील पर बैठते थे और विभिन्न देवर्षि महर्षि आदि के बारे में बात करते थे और जब सूर्य छिप जाता, वे अपने घर लौट जाते थे। कुछ दिनों बाद, वर्षा की कमी के कारण, झील धीरे-धीरे सूखने लगी। कछुआ बहुत दुखी और चिन्तित था। उसे दुखी देखकर हंस बोले– ''हे मित्र, यह झील सूख चुकी है। अब केवल कीचड़ बचा है। बिना पानी हम कैसे रहेंगे? यह विचार ही हमें चिन्तित कर रहा है।''

(ख) ''बुरे समय में, धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए। यह बिल्कुल संभव है कि धैर्य के कारण विपत्ति के समय बचाव किया जा सकता है। जब समुद्र में नाव टूट जाती है, तो उसका मालिक धैर्य और आशा को नहीं छोड़ता। विपरीत समय में वह किनारे पहुँचने का रास्ता सोचता है।''

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) कच्छपः जलाशये निवसति स्म। **(ख)** अनावृष्टिवशात्सरः शोषमगमत्।

(ग) नित्यं ते त्रयः जलाशये अतिष्ठन्। **(घ)** कच्छपः मूर्खः आसीत्।

(ङ) स्वमूर्खता कम्बुग्रीवः भूमौ अपतत् खण्डशः कृतश्च।

दशमः पाठः परिश्रमेण कार्याणि सिद्धयन्ति

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer the following questions)

(क) सफलताया मूल कारणम् परिश्रमः अस्ति।

(ख) अध्ययनेन पठनेन छात्राणां भविष्यं निर्मीयते।

(ग) पठनेन काले छात्रस्य मन अतीव विचलितः भवति। अतः मनसः नियन्त्रणं अनिवार्यम्।

(घ) अति लघ्वी पिपीलिका सर्वदा परिश्रमनिरता दृश्यते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) जनेभ्यः च परिश्रमः **(ख)** पिपीलिका **(ग)** आलस्य **(घ)** सपरिश्रम, जयति

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

(क) परिश्रम ही सफलता का मूल कारण है। विद्यार्थी और सभी लोगों के लिए परिश्रम बहुत आवश्यक है। अध्ययन और पढ़ने से छात्रों का भविष्य बनता है। इस समय में छात्र का मन अधिक विचलित हो जाता है। अतः मन पर नियंत्रण अनिवार्य है। जो छात्र परिश्रम का महत्त्व जानता है, वह जीवन में कभी दुःखी नहीं होता।

(ख) बहुत छोटी चींटी हमेशा परिश्रम में रत दिखती है। वह कभी विश्राम नहीं करती। वह सारा समय अपना भोजन इकट्ठा करती है। साधु कहते हैं– 'मनुष्यों के शरीर में स्थित आलस्य ही उसका महान् शत्रु है। वेदों में लिखा है– जो परिश्रम के साथ कार्य करता है,

उसकी ही जीत होती है। परिश्रम से प्रत्येक कार्य सफल होता है। कवियों ने सत्य ही कहा है– ''परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं न कि चाहने से। सोए हुए शेर के मुख में हिरण अपने आप ही प्रवेश नहीं करते।''

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) पश्रिमेण सफलं लभ्यते। **(ख)** अध्ययनेन छात्राणाम् भविष्यं निर्मियेते।

(ग) पिपीलिका बहु परिश्रमं करोति। **(घ)** सः जीवने कदापि न सीदति।

(ङ) आलस्यं मनुष्यस्य महान रिपुः अस्ति।

एकादशः पाठः सदाचारः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) सतां सज्जनानाम् वा आचारः सदाचारः कथ्यते।

(ख) आचरणेनैव मनुष्यस्य चरित्रम् ज्ञायते।

(ग) मूर्खैः सह मित्रतां न कुर्यात् यत् तस्य आचरण अशिष्टः भवति।

(घ) वयोवृद्धाः यथा यथा आचरन्ति बालोऽपि तथैव आचरन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सज्जनानाम् **(ख)** चरित्रम् **(ग)** उक्तानां, भवितव्यम् **(घ)** जनस्य समाजे क्वचिदपि **(ङ)** शिष्टाचारिणः

3. निम्नलिखित में रेखांकित शब्दों की विभक्ति बताइए–

(Write the case of the underlined words in the following)

(क) षष्ठी **(ख)** तृतीया **(ग)** तृतीया **(घ)** चतुर्थी, द्वितीया **(ङ)** प्रथमा

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) आचरणेनैव मनुष्यस्य चरित्रम् ज्ञायते।

(ख) मूर्खैः सह मित्रतां न कुर्यात्।

(ग) मनुष्य स्व देशाय, धर्माय कुलाय च प्राणान् त्यजेत्।

(घ) कदापि अपशब्दान् न वदेत्।

(ङ) आचरणविहीनस्य मनुष्यस्य समाजे क्वचिदपि स्थानम् न वर्तते।

द्वादशः पाठः जीवन सूत्राणि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) संसारकटुवृक्षस्य द्वे फले–सुभाषित रसास्वादः संगति सुजने जने।

(ख) गजभूषणम् मत्तं अस्ति।

(ग) मूढ़ नरस्य लक्षणम् - अनाहूतः प्रविशति, अपृष्टो बहु भाषते अविश्वसते विश्वसिति।

(घ) षड्दोषाः सन्ति- निद्रा, तन्द्रा, भयं, क्रोधः, आलस्यं दीर्घसूत्रता च।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

((क) **अश्वस्य** भूषणं **वेगो मत्तं** स्याद् **गजभूषणम्।**
चातुर्यं **भूषणं नार्या उद्योगो** नरभूषणम् ॥

(ख) अनाहूतः **प्रविशति** अपृष्टो **बहु भाषते।**
अविश्वस्ते विश्वसिति **मूढचेता नराधमः॥**

3. दूसरे, चौथे और पाँचवे श्लोक का हिन्दी अनुवाद लिखिए–

(Translate to Hindi of the second, fourth and fifth shlokas)

(2) घोड़े का आभूषण तेज चाल है, हाथी का आभूषण मत्त चाल है, नारी का आभूषण चतुरता है और नर का आभूषण उद्योग अर्थात् निरन्तर श्रम करना है।

(4) अच्छे लोग वही बात बोलते हैं, जो उनके मन में होती है; वही करते हैं, जो बोलते हैं। ऐसे पुरुषों के मन, वचन व कर्म समान होते हैं।

(5) ऐश्वर्य चाहने वाले व्यक्ति को ये छह दोष त्याग देने चाहिए– नींद, तन्द्रा (थकान), भय, क्रोध, आलस्य और काम को टालने की प्रवृत्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

वृक्षस्य	षष्ठी	**फले**	सप्तमी	**सुजने**	सप्तमी
भूषणं	द्वितीया	**अपृष्टो**	प्रथमा	**मूढ़चेता**	प्रथमा
क्रियायाः	पंचमी/षष्ठी	**दोषाः**	प्रथमा	**आलस्यं**	द्वितीया

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) संसारकटुवृक्षस्य द्वे फले स्तः।

(ख) अनाहूतः न गच्छेत्।

(ग) सुजनाः यथा वदन्ति तथा कुर्वन्ति।

(घ) मनुष्याणाम् आभूषणं निरंतरं परिश्रमः अस्ति।

(ङ) वयं दीर्घसूत्री न भवेत।

त्रयोदशः पाठः चन्द्रशेखरः आजादः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) चन्द्रशेखरस्य आजादस्य जन्म 23 जुलाई, 1906 तमे वर्षे मध्य प्रदेशस्य झाबुआ जनपदस्य भाबरा ग्रामे अभवत्।

(ख) चन्द्रशेखरः आजादः ब्रिटिश साम्राज्यम् उन्मूलयितुं सङ्कल्पम् अकरोत्।

(ग) कारागरे बन्दीभूतेः आजादः ''महात्मा गाँधी जयतु'' इति उद्घोषं कृतवान्।

(घ) तेन सहयोगिनः विश्वासघातेन सः परिवृत्तः अनेकाः आङ्गलसैनिकाः आक्रमण अकरोत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) देशभक्ताः **(ख)** श्री सीताराम तिवारी **(ग)** आङ्गलाधिकारिणः **(घ)** अतएव चन्द्रशेखरः आजादः

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

जेल में बन्दी होकर उन्होंने 'महात्मा गाँधी की जय हो' का नारा लगाया। रुष्ट अंग्रेज अधिकारियों ने उन्हें बहुत ताड़ना दी और पंद्रह कोड़ों का दण्ड दिया। उसके बाद चन्द्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ने की प्रतिज्ञा की। 27 फरवरी, 1931 ई0 में वे इलाहाबाद नगर के अल्फ्रेड पार्क में थे। उनके सहयोगी के विश्वासघात के कारण उन्हें घेरे अनेक अंग्रेज सैनिकों ने आक्रमण कर दिया। जब उनके पास में एक ही गोली रह गई, तो उन्होंने शेष गोली से अपना जीवन समाप्त कर लिया। इस प्रकार चन्द्रशेखर आजाद अमर हो गए।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) चन्द्रशेखरः आजादः देशभक्ताः पुरुषाः आसीत्।

(ख) आजादः ब्रिटिशस्य शासनस्य उन्मूलनस्य प्रतिज्ञां अकरोत्।

(ग) तम् पञ्चदश कशाघात दण्डम् अददात्।

(घ) चन्द्रशेखरः आजादः अमरः अभवत्।

(ङ) अवशिष्टेन पिटकेन आजादः स्वजीवनं समाप्तम् अकरोत्।

चतुर्दशः पाठः आज्ञाकारी श्रीरामः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) महाराजा दशरथस्य कुलं इक्ष्वाकु कुलं आसीत्।

(ख) दशरथस्य तिस्रः राज्ञयः आसन्।

(ग) दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसीत्।

(घ) पितुः आज्ञया श्रीरामः चतुर्दशः वर्षाय वनम् अगच्छत्।

(ङ) रावणः लंकाधिपतिः आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) तिस्रः **(ख)** जनकस्य आत्मजा सीतया **(ग)** चतुर्दशः वर्षाय **(घ)** अयोध्यायाः

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

प्राचीन समय में इक्ष्वाकु वंश में महाराज दशरथ प्रतापी राजा हुए हैं। वह अयोध्या में राज्य करते थे। दशरथ की तीन रानियाँ थीं। दशरथ बहुत उदार और प्रजावत्सल थे। प्रजा भी उनसे स्नेह करती थी।

सभी प्रजा सुख से रहती थी तथा परस्पर प्रेम का व्यवहार करती थी। दशरथ के चार पुत्र थे– श्रीराम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न। श्रीराम का विवाह जनक की पुत्री सीता के साथ हुआ।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति बताइए–

(Write the case of the following words)

प्राचीनकाले	सप्तमी	**अयोध्यायां**	सप्तमी	**राज्ञयः**	प्रथमा
सुखेन	तृतीया	**दशरथस्य**	षष्ठी	**अयोध्यायाः**	षष्ठी

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) महाराज दशरथः प्रतापी राजा आसीत्।

(ख) दशरथस्य तिस्रः राज्ञयः आसन्।

(ग) दशरथः बहु उदारः प्रजावत्सलः च आसीत्।

(घ) स्वपितु आज्ञया श्रीरामः वनम् अगच्छत्।

(ङ) रामराज्ये प्रजा सन्तुष्टः आसीत्।

पञ्चदशः पाठः अस्माकं धेनुः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) गृहे एकः धेनुः अस्ति।

(ख) धेनोः द्वौ शृङ्गौ स्तः।

(ग) धेनुः हरितानि तृणानि खादति।

(घ) धेनोः दुग्धेन दधिः, तक्रं, नवनीतम् अनेकानि मधुराणि मिष्टानि च निर्मीयन्ते।

(ङ) धेनुः 'गौमाता' कथ्यते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) महान् उपकारी **(ख)** पादाः चत्वारः स्तनाः एकं पुच्छम् **(ग)** हरितानि तृणानि **(घ)** 'गौमाता'

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

गृहे	सप्तमी	**धेनोः**	षष्ठी	**नेत्रे**	सप्तमी
पादाः	प्रथमा	**पुच्छम्**	द्वितीया	**तृणानि**	प्रथमा
दुग्धेन	तृतीया	**हलेन**	तृतीया		

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) धेनुः एकः उपकारी पशुः अस्ति। **(ख)** धेनुः हरितानि तृणानि खादति।

(ग) धेनोः वत्साः वृषभाः भवन्ति। **(घ)** धेनोः गोमयम् पवित्रं भवति।

(ङ) धेनुः गौमाता कथ्यते।

षोडशः पाठः सुविचारः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) हितं मनोहारि च वचः दुर्लभम्।

(ख) अङ्गीकृतं सुकृतिनः परिपालयन्ति।

(ग) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

(घ) उदारचरितानां वसुधैव कुटम्बकम्।

(ङ) परोपकारः पुण्याय अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सतां **(ख)** जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि **(ग)** कथम्, पुंसाम् **(घ)** पुण्याय पापाय **(ङ)** सुकृतिनः

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) सज्जनाः परोपकाराय भवन्ति।

(ख) जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

(ग) मनोहारिः दुर्लभं वचः।

(घ) धर्मं चर।

(ङ) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्।

संस्कृतम् - 4

वन्दनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer of the following questions)

(क) अखण्डमण्डलाकारं ईश्वरः व्याप्तं।

(ख) चक्षुः ज्ञानाञ्जन शलाकया गुरुणा उन्मीलितं।

(ग) गुरुः ईश्वरस्य साक्षात्कारं दर्शयति आज्ञानं नाशयति च।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) अखण्डमण्डलाकारं **व्याप्तं येन चराचरम्।**
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे **नमः॥**

(ख) **स्थावरं जंगमं व्याप्तं यत् किंचित्** चराचरम्।
तत्पदं **दर्शितं येन** तस्मै श्री गुरवे **नमः॥**

3. निम्नलिखित शब्दों के संस्कृत में वाक्य बनाइए–
(Make the sentences in Sanskrit of the following words)

(क)	**व्याप्तं**	ईश्वरः सर्वे चराचरे व्याप्तं।
(ख)	**दर्शितं**	गुरुणाः ईश्वरः दर्शितम्।
(ग)	**तस्मै**	अहम् तस्मै गुरवे नमः।
(घ)	**नमः**	तस्मै श्री गुरवे नमः।
(ङ)	**शलाकया**	सः श्लाकया अञ्जनं करोति।
(च)	**उन्मीलितं**	सः मम चक्षुः उन्मीलितं।
(छ)	**जंगमं**	ईश्वरः स्थावरं जंगमं व्याप्तं।
(ज)	**येन**	येन अस्मान् तत्पदं दर्शितं तस्मै श्री गुरवे नमः।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–
(Write the case of the following)

व्याप्तं	द्वितीया	**चराचरम्**	प्रथमा	**तस्मै**	चतुर्थी
गुरवे	चतुर्थी	**नमः**	---	**तिमिरान्धस्य**	षष्ठी
शलाकया	तृतीया	**जंगमं**	द्वितीया	**तत्पदं**	द्वितीया

5. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) ईश्वरः/प्रभुः अखण्डमण्डलाकारे व्याप्तं।

(ख) तस्मै गुरवे नमः।

(ग) गुरुः अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनं शलाकया चक्षुः उन्मीलितं।

(घ) ईश्वरः संपूर्ण चराचरे व्याप्तं।

(ङ) गुरुः ईश्वरस्य साक्षात्कारं दर्शयति।

6. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) उस प्रभु का, जो समस्त ब्रह्माण्ड तथा चर (जीवित), अचर (मृत) में व्याप्त है, जिसने साक्षात्कार करना संभव किया, उस गुरु को नमस्कार है।

(ख) जिसने अज्ञान के अंधकार से अंधी हुई आँखों को ज्ञान की शलाका (सलाई) से खोल दिया उस गुरु को नमस्कार है।

प्रथमः पाठः अस्माकं ध्वजः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) अस्माकं ध्वजे त्रयः वर्णाः सन्ति।

(ख) केशरवर्णः शौर्यस्य, श्वेतवर्णः सत्यस्य हरितवर्णः च समृद्धेः सूचकः अस्ति।

(ग) अशोक चक्रं प्रगतेः न्यायस्य च सूचकम् अस्ति।

(घ) अशोक स्तम्भः सारनाथे स्थितः अस्ति।

(ङ) अस्माकं त्रिवर्णः ध्वजः, स्वाधीनतायाः राष्ट्रगौरवस्य च प्रतीकः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) ध्वजारोहणं **(ख)** त्रयः **(ग)** शुचितायाः पवित्रायाः च **(घ)** चतुर्विंशतिः

(ङ) स्वाधीनतायाः राष्ट्रगौरवस्य च

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following)

विद्यालयस्य	षष्ठी	**ध्वजारोहणं**	द्वितीया	**मोदकानि**	प्रथमा
त्रिवर्णः	प्रथमा	**ध्वजे**	सप्तमी	**वर्णानां**	षष्ठी
वर्णाः	प्रथमा	**सत्यस्य**	षष्ठी	**सुन्दरम्**	द्वितीया
पवित्रतायाः	षष्ठी/पंचमी	**वसुधायाः**	षष्ठी/पंचमी	**सारनाथे**	सप्तमी

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) अस्माकम् ध्वजस्य नाम त्रिवर्णः अस्ति।

(ख) अस्मासु ध्वजे तिस्रः वर्णः सन्ति।

(ग) ध्वजे केशरवर्णः शौर्यस्य प्रतीकः अस्ति।

(घ) अशोक चक्रः सारनाथे स्थितः अशोक स्तम्भे स्थितः अस्ति।

(ङ) अशोकचक्रे चतुर्विंशतिः अराः सन्ति।

द्वितीयः पाठः चतुर वानराः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) नद्याः तटे एकः जम्बुवृक्षः आसीत्।

(ख) जम्बूवृक्षे एकः वानरः अवसत्।

(ग) वानरः प्रतिदिनं जम्बूफलानि मकराय अयच्छत्।

(घ) मकरस्य भार्या वानरस्य हृदयं खादितुं ऐच्छत्।

(ङ) अन्ते वानरः मकरं अकथयत् यत् तस्य हृदयं तु वृक्षस्य कोटरे अस्ति। मूर्खः मकरः वानरं नदीतटं आनयत्। वानरः शीघ्रं वृक्षमारुह्य अवदत् – मूर्ख मकर! गच्छ, अद्यात् आवयोः मैत्री समाप्त।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) जम्बूवृक्षः **(ख)** क्रोधिंत, भार्या **(ग)** नदीतटम् **(घ)** मैत्री

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the underlined word in the following sentences)

(क) सप्तमी **(ख)** प्रथमा **(ग)** षष्ठी **(घ)** पंचमी

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

(क) एक बार एक नदी के किनारे एक जामुन का एक पेड़ था। उस वृक्ष पर एक बंदर रहता था। वह रोजाना मीठे जामुन के फल खाता था। उस नदी में एक मगरमच्छ रहता था। बंदर उसे प्रतिदिन जामुन के फल देता था। इस तरह मगरमच्छ बंदर का मित्र हो गया। एक बार मगरमच्छ कुछ जामुन के फल अपनी पत्नी के लिए भी ले गया।

(ख) वह उन्हें खाकर सोचने लगी– 'निश्चित ही बंदर का दिल बहुत मीठा होगा क्योंकि वह रोजाना ऐसे मीठे फल खाता है।' उसने पति से कहा– ''उस बंदर का दिल लाकर मुझे दो।'' यह सुनकर मगरमच्छ क्रोधित हो गया परन्तु उसकी पत्नी न मानी।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) वानरः जम्बूवृक्षे अनिवसत्।

(ख) वानरः मकरं जम्बूफलानि अयच्छत्।

(ग) मकरः कानिचित् जम्बूफलानि स्वभार्यां अखादयत्।

(घ) किम् हृदयं शरीरात् पृथक् भवति?

(ङ) मम हृदयं तु वृक्षस्य कोटरे अस्ति।

तृतीयः पाठः धनस्य महत्त्वम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) संसारे सर्वश्रेष्ठं वस्तु धनमेव अस्ति।

(ख) धनं विना सर्वाणि वस्तूनि नीरसानि प्रतिप्रभान्ति।

(ग) यस्य पार्श्वे धन नास्ति तस्य काचिदपि अभिलाषा पूर्णा न भवति।

(घ) धनहीनस्य जनस्य जीवनं व्यर्थमिव प्रतिभाति।

(ङ) यस्य पार्श्वे धनं भवति, जनाः तस्मात् मैत्री कुर्वन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) वस्तूनि नीरसानि (ख) काचिदपि अभिलाषा (ग) परकीयाः (घ) मुनिभिः, धनस्यावश्यकता

3. पाठ से सप्तमी विभक्ति एकवचन के शब्द ढूँढ़कर यहाँ लिखिए–

(Write here words of the seventh case, singular from the lesson)

संसारे	न्यायालये	पार्श्वे
वाक्ये	संसारे	लोके

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(Form sentences from the following words)

(क) **संसारे** – संसारे सर्वे जनाः धनवानं पूज्यते।

(ख) **शक्यते** – धनं बिना छात्राः अपि विद्योपार्जनं कर्तुं न शक्यते।

(ग) **यस्य** – यस्य पार्श्वे धनं नास्ति, सः भाग्यहीनः अस्ति।

(घ) **आपदानां** – निर्धनता आपदानां गृहम् अस्ति।

(ङ) **स्वीकृता** – प्राचीनाः मुनिभिः अपि धनस्य उपयोगिता स्वीकृता।

(च) **बान्धवाः** – यः धनवानं भवति, तस्य बान्धवाः भवन्ति।

5. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

प्राचीन मुनियों ने भी धन की आवश्यकता और उपयोगिता स्वीकार की। चारों प्रकार के फल (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) की प्राप्ति भी धन से ही संभव है। धन से ही धर्म भी फैलता है इसलिए सभी को धनोपार्जन करना चाहिए। धन से जो कुलीन नहीं हैं, वे भी कुलीन हो जाते हैं। संसार में समस्त गुण धन पर ही आश्रित होते हैं और कहा है– जिनके पास धन होता है, लोग उसी से मित्रता रखते हैं, जो धनवान होता है, उसी के बंधु-बांधव होते हैं। जिसके पास धन हो, वही पुरुष माना जाता है और धनवान व्यक्ति ही जीने का सुख पाता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) धनं विना जीविका असंभवा अस्ति।

(ख) धनेन जनाः दुखस्य सागरं तरन्ति।

(ग) धनहीन जनस्य जीवनं व्यर्थं भवति।

(घ) प्राचीनाः मुनिभिः अपि धनस्यावश्यकता उपयोगिता च स्वीकृता।

(ङ) संसारे समस्तगुणः धनमेवाश्रयन्ति।

चतुर्थः पाठः दुष्टः मर्कटः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) निर्जने वने अतिदुष्टः मर्कटः अनिवसत्।

(ख) पीडिता चटका मर्कटात् वदति स्म– ''रे मर्कट! किमर्थम् उपहससि? ग्रीष्म वर्षतौ नीडम् एव अस्मान् रक्षति। वयं परिश्रमः कुर्मः, निर्विघ्नेन जीवामः।''

(ग) चटकाया वचनं श्रुत्वा मर्कटः क्रुद्धेन चटकानाः नीडान् खण्डशः अकरोत्।

(घ) पयः पान भुजङ्गानां केवलं विषवर्धनम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) परिश्रमस्य, उपहासं **(ख)** ग्रीष्म वर्षतौ **(ग)** चटका **(घ)** मर्कटः, चटकानां, खण्डशः

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

निर्जने	सप्तमी	**वृक्षेषु**	सप्तमी	**परिश्रमस्य**	षष्ठी
उपहासेन	तृतीया	**तस्मात्**	पंचमी	**जलासारेण**	तृतीया
रोषेण	तृतीया	**क्रुद्धेन**	तृतीया	**चटकानां**	षष्ठी

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

उसका वचन सुनकर बंदर क्रोध के साथ बोला– ''अरे चिड़िया! मेरा उपहास करती हो? मैं तुम्हें दण्ड दूँगा।'' यह कहकर उस बंदर ने क्रुद्ध होकर चिड़िया का घोंसला टुकड़े-टुकड़े कर दिया। सत्य ही कहा है–''मूर्खों को उपदेश देने से उनका प्रकोप शान्त नहीं होता। दूध पीने से सर्प का केवल विष ही बढ़ता है।''

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) निर्जन वने एकः दुष्ट मर्कटः अनिवसत्। **(ख)** योगीनां कुतः गृहम्?

(ग) मर्कटः नीड़ विखण्डं दूरस्थाने गच्छति स्म। **(घ)** अरे चटके! त्वम् मम उपहासं करोषि?

(ङ) पयः पान भुजङ्गस्य विषवर्धते।

पञ्चमः पाठः विजयादशमी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) विजयादशमी उत्सवस्य आयोजनम् आश्विनमासस्य शुक्लपक्षस्य दशम्यां तिथौ भवति।

(ख) अस्मिन् दिने शस्त्रपूजनं कुर्वन्ति ग्रामे-ग्रामे नगरे-नगरे च रामलीलायाः प्रदर्शनं भवति।

(ग) अस्मिन् दिने भारतीयाः शस्त्रपूजनं कुर्वन्ति।

(घ) सायंकाले रामलीला क्षेत्रे लोकानां विपुलः समागमः भवति।

(ङ) विजयादशमी उत्सवः अन्यायस्य उपरि न्यायस्य विजयं सूचयति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) विजयादशमी **(ख)** उत्सवं **(ग)** भारतस्य, नगरे-नगरे, रामलीलायाः **(घ)** धर्माचरणं **(ङ)** सद्गमय, ज्योतिर्गमय।

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the underlined words in the following sentences)

(क) सप्तमी **(ख)** षष्ठी **(ग)** पंचमी **(घ)** तृतीया **(ङ)** सप्तमी, तृतीया

5. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

विजयादशमी के उत्सव से यह शिक्षा मिलती है कि धर्म ही जीतता है और अधर्म का भयानक परिणाम होता है। इसलिए धर्म का आचरण करना ही श्रेष्ठ है। यह उत्सव बंगाल राज्य में दुर्गा पूजा के रूप में प्रचलित है। इस अवसर पर शक्ति रूप सिंहवाहिनी दुर्गादेवी की पूजा की जाती है। यह उत्सव रामकथा को आधार मानकर हो अथवा दुर्गा सप्तशती कथा को आधार मानकर हो, किंतु अन्याय के ऊपर न्याय की विजय को सूचित करता है। यहाँ सभी प्रतीक में असत्य की पराजय और सत्य की विजय सन्निहित है। सब कुछ यह है– 'मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो' ऐसी शिक्षा देता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) विजयादशम्यः उत्सवः सम्पूर्ण भारत देशे पूर्णोत्साहेन मन्यते।

(ख) अस्मिन् दिवसे श्रीरामः रावणस्य वधम् अकरोत।

(ग) जनाः इमम् उत्सवं उत्साहेन मानयन्ति।

(घ) धर्मः जयति अधर्मस्य नाशयति च।

(ङ) धर्माचरणं एव वरं।

षष्ठः पाठः सुभाषितानि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) क्षणं नष्टे धनं न आप्नोति।

(ख) आत्मार्थे पृथिवीं त्यजेत्।

(ग) धर्मे धारणस्य पात्रता।

(घ) भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या भाषा संस्कृतः।

2. पहले, तीसरे व छठे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate Hindi of first, third and sixth Shlokas)

(1) क्षण-क्षण का उपयोग सीखने के लिए और प्रत्येक छोटे-से-छोटे सिक्के का उपयोग उसे

बचाकर रखने के लिए करना चाहिए। क्षण को नष्ट करके विद्या प्राप्ति नहीं की जा सकती और सिक्कों को नष्ट करके धन नहीं प्राप्त किया जा सकता।

(3) धर्म की उत्पति 'धारण' शब्द से हुई है। यह धर्म ही है, जिसने समाज को धारण किया हुआ है। यदि किसी में धारण करने की क्षमता है, तो वह निश्चय ही धर्म है।

(6) भाषाओं में सबसे अधिक मधुर शब्द गीर्वाण भारती अर्थात् देवभाषा संस्कृत है। संस्कृत साहित्य में सबसे अधिक मधुर काव्य और उनमें सबसे अधिक मधुर सुभाषित हैं।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) **कुलस्यार्थे त्यजेदेकम्** ग्राम् स्यार्थे **कुलं ज्येत्।**
ग्रामं जनपदस्यार्थे **आत्मार्थे पृथिवीं** त्यजेत् ॥

(ख) काव्यशास्त्रविनोदेन **कालो गच्छति धीमताम्।**
व्यसनेन च मूर्खाणां **निद्रया कलहेन वा॥**

(ग) **भाषासु** मुख्या **मधुरा दिव्या** गीर्वाण भारती ।
तस्या हि काव्यं मधुरं तस्मादपि सुभाषितम् ॥

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–
(Write the case of the following words)

क्षणशः	प्रथमा	**नष्टे**	सप्तमी	**कणे**	सप्तमी
कुलस्यार्थे	सप्तमी	**पृथिवीं**	द्वितीया	**धर्मो**	प्रथमा
विनोदेन	तृतीया	**व्यसनेन**	तृतीया	**निद्रया**	तृतीया
तैलाद्	पंचमी	**बंधनात्**	पंचमी	**दिव्या**	प्रथमा

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) वयम् प्रत्येकं क्षणं उपयोगं कुर्यात्।

(ख) वयम् देशार्थं त्यजेत्।

(ग) धर्मे धारणस्य पात्रता।

(घ) मूर्खः निजकालो निद्रया या कलहेन पापयति।

(ङ) संस्कृतः सर्वाधिकं मधुरं भाषा अस्ति।

(च) पुस्तकस्य रक्षां तैलाद् जलाद् व कुर्यात्।

सप्तमः पाठः अस्माकं सहयोगिनः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer of the following questions)

(क) चिकित्सकः जनानां चिकित्साम् करोति।

(ख) चिकित्सकः स्वास्थ्यनियमम् उपदिशति।

(ग) कुंभकारः अस्मभ्यं घटान् दीपकान् शरावान् च रचयति।

(घ) रजकः जनानां मलिनानि वस्त्राणि क्षारेण प्रक्षालयति।

(ङ) स्थपतिः अस्मभ्यं गृहाणि रचयति।

(च) चर्मकारः अस्माकं पादत्राणानि सीव्यति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) चिकित्सकः **(ख)** दंडेन **(ग)** वस्त्राणि, उष्ण-लौहेन **(घ)** पादत्राणानि **(ङ)** गृहाणि

3. 'कृ' धातु के लट् लकार के रूप लिखिए–

(Write 'Roop' of Lat Lakar of 'Kri' Dhatoo)

पुरुषः	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम पुरुष	करोति	कुरुतः	कुर्वन्ति
मध्यम पुरुष	करोषि	कुरुथः	कुरुथ
उत्तम पुरुष	करोमि	कुर्वः	कुर्मः

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

यह धोबी है। यह लोगों के मैले वस्त्रों को सोडे से धोता है, जिससे वस्त्र साफ होते हैं। यह धोए हुए वस्त्रों को धूप में सुखाकर उन पर प्रेस करके उन्हें सिकुड़न मुक्त करता है। लोग साफ वस्त्र पहनकर सुंदर लगते हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

चिकित्सकः	प्रथमा	**जनानां**	षष्ठी	**स्वस्थाः**	प्रथमा
दीपकान्	द्वितीया	**दंडेन**	तृतीया	**चक्रे**	सप्तमी
क्षारेण	तृतीया	**परिधाय**	चतुर्थी	**सूचिकया**	तृतीया

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) चिकित्सकः जनान् स्वस्थं करोति।

(ख) कुम्भकारः मृत्तिकायाः पात्राणि निर्मियति।

(ग) रजकः मलिनानि वस्त्राणि क्षारेण प्रक्षालयति।

(घ) स्थपतिः अस्मभ्यं गृहाणि रचयति।

(ङ) चर्मकारः अस्मभ्यं पादत्राणनि रचयति।

अष्टमः पाठः प्रहेलिकायाम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) कस्तूरी जायते मृगात्।

(ख) कातरो युद्धे पलायते।

(ग) सीमन्तिनीषु सीता शान्ताः।

(घ) विद्वद्भिः विद्या सदा वन्द्या।

(ङ) कंसं सञ्जघान कृष्णः।

2. दूसरी व चौथी पहेली का हिंदी अनुवाद करते हुए उनके उत्तर लिखिए–

(Translate into Hindi and write the answer of second and fourth puzzle)

(2) नारियों में शान्त कौन है? गुणवान् राजा कौन है? विद्वानों द्वारा सदा वन्दनीय कौन है? परन्तु यहाँ ये कथन जाने नहीं जा सकते।

(प्रत्येक पंक्ति के प्रथम व अन्तिम शब्द में इसे पहेली का उत्तर है– नारियों में शान्त कौन है? = सीता; राजाओं में गुणवान कौन है? = राम, विद्वानों द्वारा सदा वन्दनीय कौन है? = विद्या)

(4) मैं पेड़ के ऊपर रहने वाला हूँ, परन्तु मैं पक्षिराज गरुड़ नहीं हूँ। मैं तीन नेत्रों वाला हूँ, परन्तु भगवान् शिव नहीं हूँ। मैं वृक्ष की छाल के वस्त्र धारण करता हूँ, परन्तु मैं सिद्धयोगी नहीं हूँ। मैं जल को धारण कर रहा हूँ, पर मैं न तो घड़ा हूँ और न ही बादल हूँ। अब बताओ मैं क्या हूँ? इस पहेली का उत्तर 'नारिकेलम्' अर्थात् नारियल है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सिंह **(ख)** शान्ता **(ग)** सञ्जघान **(घ)** वृक्षाग्रवासी **(ङ)** बिभ्रत् , मेघः।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) कस्तूरी मृगात् जायते। **(ख)** राजा रामः गुणोत्तमः।

(ग) कृष्णः कंसं सञ्जघान। **(घ)** कृषकः दारपोषणरताः।

(ङ) अहम् वृक्षाग्रवासी परं अहम् न पक्षिराजः अस्मि।

नवमः पाठः गणतन्त्र दिवसः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) गणतन्त्र दिवसः प्रतिवर्षं जनवरी मासस्य 26 तमे दिनाङ्के मान्यते।

(ख) गणतन्त्रे राष्ट्रपतिः सर्वोच्चः शासकः भवति।

(ग) गणतन्त्र दिवसे भारतस्य राजधान्यां देहल्यां विशेषतः समारोहः भवति।

(घ) गणतन्त्र दिवसे राजधान्यां देहल्यां शोभायात्राः निर्गच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) राष्ट्रपतिः **(ख)** देहल्यां **(ग)** राष्ट्रध्वजस्य **(घ)** राष्ट्रपतिभवने, सचिवालये, विद्युत्दीपानां

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

भारतस्य	षष्ठी	**गणतन्त्रे**	सप्तमी	**देहल्यां**	सप्तमी
चतुर्भिः	तृतीया	**आरोहणं**	द्वितीया	**शोभादृश्यानि**	प्रथमा
सचिवालये	सप्तमी	**चित्र विचित्रो**	प्रथमा	**भेदभावान्**	द्वितीया

4. प्रथम अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the first passages)

गणतंत्र दिवस स्वतंत्र भारत का महान राष्ट्रीय उत्सव है। यह दिवस भारत के इतिहास में बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह उत्सव प्रतिवर्ष जनवरी महीने की 26 तारीख में मनाया जाता है। हमारा देश 1947 ई0 में अगस्त महीने की 15 तारीख में स्वतंत्र हुआ। नए संविधान की घोषणा 1950 ई0 में जनवरी महीने की 26 तारीख में हुई। तब से लेकर ही यह दिन 'गणतंत्र दिवस' कहलाता है। गणतंत्र में राष्ट्रपति सर्वोच्च शासक होता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) इदम् दिवस भारतस्य इतिहासे महत्त्वपूर्ण अस्ति।

(ख) गणतन्त्रं दिवसं सर्वे जनाः उत्साहेन मानयन्ति।

(ग) गणतन्त्रे राष्ट्रपतिः सर्वोच्चः शासकः भवति।

(घ) समारोहस्य मुख्यस्थलं विजय चौक भवति।

(ङ) गणतन्त्रदिवसे विशेषतः शोभायात्राः निर्गच्छन्ति।

दशमः पाठः गीतोपदेशम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) मनुष्यस्य मुख्य अधिकारः कर्म कर्तुं अस्ति।

(ख) यदा जनः सर्वान् कामान् प्रजहाति आत्मन्येवात्मना तुष्टः च स्थितप्रज्ञः उच्यते।

(ग) मनुष्यः बुद्धिनाशात् प्रणश्यति।

(घ) आत्मानं पावकः न दहति।

(ङ) साधूनाम् परित्राणाय तथा धर्मसंस्थापनार्थाय प्रभुः सम्भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) कर्मण्येवाधिकारस्ते **मा फलेषु कदाचन।**

(ख) **आत्मन्येवात्मना तुष्टः** स्थितप्रज्ञः **तदोच्यते।**

(ग) क्रोधात् भवति सम्मोहः सम्मोहात् **स्मृति विभ्रमः।**

(घ) **नैनं** छिन्दन्ति **शस्त्राणि।**

(ङ) यदा यदा हि **धर्मस्य** ग्लानिर्भवति भारतः। अभ्युत्थानम् अधर्मस्य तदात्मानं **सृजाम्यहम्।**

(च) धर्मसंस्थापनार्थाय **सम्भवामि युगे-युगे।**

3. दूसरे, चौथे तथा छठे श्लोक का हिंदी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the second, fourth and sixth)

(2) हे पार्थ (अर्जुन), जिस समय मनुष्य मन में स्थित् सभी कामनाओं को त्याग देता है और आत्मा से आत्मा में ही संतुष्ट रहता है। उस काल में वह स्थितप्रज्ञ (स्थिर बुद्धिवाला) कहा जाता है।

(4) आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं, न आग जला सकती है। न पानी भिगो सकता है और न हवा उसे सुखा सकती है।

(6) सज्जन पुरुषों के कल्याण के लिए और दुष्कर्मियों के विनाश के लिए, धर्म की स्थापना के लिए मैं (श्रीकृष्ण) प्रत्येक युग में जन्म लेता हूँ।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

अधिकारस्ते	सप्तमी	**फलेषु**	सप्तमी	**सङ्गते**	सप्तमी
कामान्	द्वितीया	**सर्वान्**	द्वितीया	**क्रोधात्**	पंचमी
शस्त्राणि	प्रथमा	**पावकः**	प्रथमा	**मारुतः**	प्रथमा
धर्मस्य	षष्ठी	**भारतः**	प्रथमा	**विनाशाय**	चतुर्थी

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) मनुष्यस्य कार्य कर्मं कर्तुं अस्ति।

(ख) स्थितप्रज्ञः मनुष्यः सर्वान् कामान् प्रजहाति।

(ग) आत्मानं मारुतः न शोषयति।

(घ) यदा धर्मस्य ग्लानिर्भवति-तदा ईश्वरः आत्मानं सृजति।

(ङ) सज्जनाय कल्याणाय ईश्वरः सृजति।

एकादशः पाठः एकः बालकः कुत्र गतः?

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) चतुर्थी कक्षायाः दशबालकाः स्नानाय नदीतटम् अगच्छन्।

(ख) बालकानाम् नायकः अनुभवः आसीत्।

(ग) अनुभवः अचिन्तयत् यत् – वयं दशबालकाः स्म। इदानीं नवबालकाः एव सन्ति। एकः बालकः नास्ति।

(घ) यदा अनुभवः अकथयत् यत् वयं दशबालकाः स्म, इदानी नवबालकाः एव सन्ति, तदा सर्वे बालकाः शोकमग्नाः अभवन्।

(ङ) पथिकः अनुभवम् अकथयत् यत् दश एव स्थ। यदा त्वं बालकान् गणयः तदा स्वं न अगणयः। एवं पथिकः बालकायाम् समस्यायाः समाधानम् अकुर्वन्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) अनुभवः (ख) शोकमग्नाः (ग) पथिकः (घ) दुःखस्य (ङ) पथिकस्य, स्वगृहान्

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

''तुम्हारे दुख का क्या कारण है?'' तब अनुभव बोला– ''हम दस बालक स्नान करने के लिए यहाँ आए थे। अब नौ ही हैं। एक बालक कहाँ गया? यात्री ने उन बालकों को गिना। बालकों को गिनकर वह हँसा। तब उसने अनुभव से कहा– ''तुम दस ही हो। जब तुमने बालकों को गिना, तब स्वयं को नहीं गिना, दसवें बालक तुम ही हो।''

''हम सभी बालक कुशल हैं', यह जानकर वे बालक प्रसन्न हुए। वे यात्री को धन्यवाद देकर अपने घर चले गए।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) चतुर्थी कक्षायाः दशबालकाः स्नानाय नदीतटम् अगच्छन्।

(ख) अनुभवः तेषां नायकः आसीत्।

(ग) पथिकः तेषां बालकान् अगणयत्।

(घ) युष्माकं दुखस्य किं कारणम् अस्ति?

(ङ) वयं सर्वे बालकाः कुशलाः स्मः।

द्वादशः पाठः ऐक्ये शक्तिः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) नगरस्य नाम विषपुरम् आसीत्।

(ख) वटवृक्षेः अनेकाः कपोताः उपविशन्ति स्म।

(ग) व्याधः भूमौ जालं प्रसारयत् पुनश्च जालस्योपरि गोधूमकणान् अविकीर्णयत्, तदनन्तरं पार्श्वे एव निभृतोऽतिष्ठत्।

(घ) कपोताः गोधूमकणान् अपश्यन्।

(ङ) कपोतस्य मित्रस्य चित्रगीवः नाम आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) कपोता, कालं **(ख)** भोजनार्थं **(ग)** गोधूमकणान् **(घ)** व्याधं, पाशसहितं

(ङ) बन्धनमुक्ताः

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) विषपुरनगरे एकः वटवृक्षः आसीत्।

(ख) सर्वे कपोताः भोजनाय आकाशे उत्पतिताः।

(ग) तत्र कपोताः गोधूम कणान् अपश्यन्।

(घ) ते कपोताः स्वामिनः आज्ञां नान्वसरन्।

(ङ) एवं सर्वे कपोताः बन्धनमुक्ताः अभवन्।

त्रयोदशः पाठः वसंतः ऋतुः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) भारतवर्षे षड्ऋतवः भवन्ति।

(ख) वसन्तकाले मौसमः मनोरमः वर्तते।

(ग) वसन्तकाले सुखदायकः अनिलः प्रवहति।

(घ) फाल्गुनमासे होलिकोत्सव मन्यते।

(ङ) वसन्तकालः आनन्दोल्लासस्य कालः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) मनोरमः (ख) अनिलः (ग) पलाशपुष्पैः (घ) ऋतौ, स्वास्थ्यं पुष्टं (ङ) आनन्दोल्लासस्य

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the underlined words in the following sentences)

(क) सप्तमी (ख) षष्ठी (ग) सप्तमी (घ) सप्तमी, प्रथमा (ङ) तृतीया

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

'पलास के फूलों से वनस्थल महक जाते हैं। इस समय खेत हरे-भरे दिखाई देते हैं। लोग नए अन्न के दर्शन से आनन्दित होते हैं। वे फाल्गुन मास में होली का त्योहार मनाते हैं। वे उल्लासपूर्वक आपस में मिलते हैं और रंगों से खेलते हैं। इस ऋतु में प्रातः भ्रमण से स्वास्थ्य पुष्ट रहता है। वसंतकाल आनंद और उल्लास का समय होता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) भारतस्य सर्वेषु ऋतुषु वसंतऋतुः मुख्य अस्ति।

(ख) वसन्तकाले सुखदायकः अनिलाः प्रवहन्ति।

(ग) वनस्थली पलाशपुष्पैः आरक्ता जायते।

(घ) वसंतकालः मनोरमः वर्तते।

(ङ) वसंतकालः आनन्ददायकः भवति।

चतुर्दशः पाठः सुवचनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) नीच पुरुषाः कलहम् इच्छन्ति।

(ख) विद्वान् सर्वत्र पूज्यन्ते।

(ग) विद्याविहीन पशुः अस्ति।

(घ) स्वर्गादपि जननी जन्मभूमिश्च गरीयसी।

(ङ) यत्र नार्यस्तु पूज्यते, तत्र देवताः रमन्ते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) कलहो (ख) सभा (ग) विद्याविहीन (घ) जन्मभूमिश्च, गरीयसी

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) सर्वदा सत्यं वद।

(ख) विद्याविहीन जनः पशु समानो भवति।

(ग) मातृ-पितृदेवो भव।

(घ) नीच पुरुषः कलहम् इच्छति।

(ङ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, तत्र देवताः रमन्ते।

पञ्चदशः पाठः कृषकः सर्पः च

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) कृषकः एके ग्रामे निवसति स्म।

(ख) क्षेत्रे वाल्मीकोपरि भयङ्करं सर्पं दृष्ट्वा कृषकः भीतः।

(ग) कृषकः सर्पाय दुग्धं आनयत्।

(घ) अग्रस्मिन् दिवसे कृषकः प्रातः क्षेत्रे आगत्य तत्र एकां मुद्रां पश्यति।

(ङ) कुपितः विषधरः कृषकपुत्रं विषदशनैः दशति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) ग्रीष्मकालावसाने, वृक्षच्छायायां **(ख)** साम्प्रतं **(ग)** समागत्य, मुद्रां

(घ) कृषकपुत्रं, विषदशनैः

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

ग्रामे	सप्तमी	**वृक्षच्छायायां**	सप्तमी	**कारणेन**	तृतीया
गृहात्	पंचमी	**ग्रामान्तरं**	द्वितीया	**स्वर्णमुद्राभिः**	तृतीया

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

(क) किसी गाँव में एक किसान रहता था। एक दिन वह गर्मी के मौसम में अपने खेत में पेड़ की छाया में सो रहा था। अचानक पास ही बाँबी के ऊपर भयंकर साँप को देखकर वह डर गया किंतु धैर्य रखते हुए सोचा कि यह अवश्य ही खेत का देवता है। मैंने कभी भी इस खेत के देवता की पूजा नहीं की, इस कारण खेती का कार्य विफल होता है। आज इसकी पूजा करूँगा।

(ख) अगले दिन किसान सुबह आकर वहाँ एक मुद्रा देखता है। इस प्रकार प्रतिदिन अकेले आकर उसे दूध देता है और एक-एक मुद्रा लेता है। इस प्रकार एक दिन साँप को दूध देने के लिए पुत्र को लगाकर किसान गाँव से बाहर चला जाता है। उसका पुत्र भी वहाँ दूध लेकर और रखकर फिर घर आ जाता है। अगले दिन वहाँ जाकर एक मुद्रा देखकर और लेकर सोचता है कि निश्चित ही बाँबी सोने की मुद्राओं से भरी है। मैं इस साँप को मारकर

सारी एक बार में ले लूँगा। मन में ऐसा विचार करके दूसरे दिन दूध देने के समय साँप को मारता है किन्तु भाग्य से वह जीवित रह जाता है।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) कस्मिंश्चित् ग्रामे एकः कृषकः निवसति स्म।

(ख) सहसा कृषकः वाल्मीकोपरि भयङ्कर सर्पः अपश्यत्।

(ग) भो क्षेत्रपाल! त्वम् अत्र वससि।

(घ) कृषकः सर्पं नित्यं दुग्धं अपाययत्।

(ङ) कुपितः सर्पः कृषकपुत्रं अदशत्।

षोडशः पाठः स्वस्थ पर्यावरणम्, स्वस्थ जीवनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) स्वस्थ पर्यावरणम् एव स्वस्थ जीवनस्य आधारः अस्ति।

(ख) असन्तुलित पर्यावरणं मानव स्वास्थ्याय अहितकरः भवति।

(ग) उद्योगशालानां मलिनं जलं नालिका माध्यमेन पवित्रां गङ्गां नदीं अपि मलिनं कुर्वन्ति।

(घ) वनानां छेदनेन वृक्षाणाम् अभावः भवति।

(ङ) वर्तमान काले पर्यावरण शोधनस्य अत्यावश्यकता अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) स्वस्थ समाजस्य **(ख)** भारते, असन्तुलनं **(ग)** उद्योगशालानां, नालिका, गङ्गां

(घ) वनानां

3. द्वितीय अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the second passages)

भारतीय वायु की शुद्धता के लिए हवनादि करते थे। हमारे पूर्वजों ने पर्यावरण की शुद्धता के लिए पेड़ों को लगाया। वनों के काटने से पेड़ों का अभाव होता है। उनके अभाव से अपेक्षाकृत वर्षा नहीं होती, जिससे अकाल का प्रकोप बढ़ता है। शुद्ध वायु के बिना प्राणी अस्वस्थ हो जाते हैं। पेड़ों के अभाव से शुद्ध वायु की प्राप्ति नहीं होती। अतः पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए लोगों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। वर्तमान समय में पर्यावरण के शोधन की अत्यधिक आवश्यकता है।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

पर्यावरणम्	द्वितीया	**समाजस्य**	षष्ठी	**स्वास्थ्याय**	चतुर्थी
भारते	सप्तमी	**प्रदूषितम्**	द्वितीया	**माध्यमेन**	तृतीया
हवनादिकम्	द्वितीया	**वृक्षाणाम्**	षष्ठी	**निरोधाय**	चतुर्थी

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) असन्तुलित पर्यावरणं मानव स्वास्थ्याय अहितकरः भवति।

(ख) भारतीयाः वायोः शुद्ध्यर्थं हवनादिकम् अकुर्वन्।

(ग) वनानां छेदनेन वृक्षाणाम् अभावः भवति।

(घ) वृक्षारोपणेन पर्यावरणस्य अशुद्धतां निरोधं शक्यते।

(ङ) वृक्षाणाम् अभावेन वर्षा न भवति।

सप्तदशः पाठः शशकः-कच्छपः कथा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) एकस्मिन् वने एकः शशकः निवसति स्म।

(ख) शशकस्य मित्रता कच्छपेन सह अभवत्।

(ग) शशकः अपरे वने तडागम् गच्छति स्म।

(घ) कच्छपः अकथयत् – ''अहम् अपि चलामि?''

(ङ) अन्ते कच्छपः मन्दं मन्दं परं निरन्तरं अचलत्, अतः सः पूर्व स्वलक्ष्यं अप्राप्तयत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) शशकः **(ख)** मन्यसे, आवां **(ग)** छात्रायां **(घ)** मन्दं-मन्दं

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

एक वन में एक खरगोश रहता था। उसकी दोस्ती एक कछुवे के साथ हो गई। एक बार खरगोश दूसरे वन में घूमा। तब कछुवे ने उससे पूछा – ''हे मित्र! तुम इस समय कहाँ जा रहे हो?'' खरगोश बोला– ''मैं दूसरे वन के तालाब में जा रहा हूँ।'' कछुआ कहने लगा– ''मैं भी चलता हूँ।'' खरगोश बोला– ''तुम तो धीरे-धीरे चलते हो। मैं तेज चलता हूँ। इसलिए तुम मेरे साथ कैसे जाओगे?'' कछुआ बोला– ''यदि तुम नहीं मानते तो हम दोनों देखते हैं, कौन जल्दी चलता है?''

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the underlined words in the following sentences)

(क) सप्तमी **(ख)** द्वितीयां **(ग)** तृतीया **(घ)** षष्ठी, सप्तमी

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) शशकः स्वमित्रेन कच्छपेन सह एकस्मिन् वने निवसति स्म।

(ख) भो मित्र! त्वम् इदानीं कुत्र गच्छसि?

(ग) त्वम् मया सह कुत्र गमिष्यसि?

(घ) अहम् त्वया वेगेन चलामि।

(ङ) शशकः श्रान्तः भूत्वा वृक्षस्य अधः शयनम् अकरोत्।

अष्टादशः पाठः उपवेदः - आयुर्वेदः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) वेदाः चत्वारः सन्ति– ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः अथर्ववेदः च।

(ख) उपवेदाः चत्वारः सन्ति यथा– आयुर्वेदः, धनुर्वेदः, गान्धर्ववेदः, अर्थशास्त्रः च।

(ग) आयुर्वेदः उपवेदः मनुष्याणां स्वास्थ्य लाभाय सर्वोत्तमः हेतुः अस्ति।

(घ) आयुर्वेदस्य अनन्तकालात् देवाः ऋषयः च प्रचारम् अकुर्वन्। मनुष्यलोके तु धन्वन्तरिः अस्य प्रथमः प्रचारकः मन्यते।

(ङ) 'चरक-सुश्रुत' द्वौ आयुर्वेदस्य आचार्यो स्तः।

(च) 'वात-पित्त–कफः' इति त्रयः दोषाः भवन्ति।

(छ) समुचित पथ्य-पालनेन मनुष्यः सर्वथा स्वस्थः भवति।

(ज) हरीतकी, विभीतकः आमलकं च एतानि त्रयः औषधीनां 'त्रिफला' कथ्यते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) चत्वारः **(ख)** देवाः ऋषयः, प्रचारम् **(ग)** आयुर्वेदस्य, शतवर्षाणि **(घ)** स्पर्धायाः

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

शिष्य– गुरुवर! प्रणाम करता हूँ। कल सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता होगी। आयुर्वेद के बारे में मुझेअधिक ज्ञान नहीं है। कृपया आप मेरी सहायता करें।

गुरुदेव– ठीक है, बेटा! क्या तुम जानते हो कि वेद कितने हैं?

शिष्य– जानता हूँ, गुरुवर! हमारे चार वेद हैं। उनके नाम हैं– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद।

गुरुदेव– सुंदर! इसी तरह चार उपवेद हैं; जैसे– आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्ववेद, तथा अर्थशास्त्र। उपवेदों में प्रथम आयुर्वेद मनुष्यों के स्वास्थ्य लाभ के लिए सर्वोत्तम है।

शिष्य– आयुर्वेद का आरम्भ कब हुआ?

गुरुदेव– सुनो बेटा! अनन्तकाल से देवों और ऋषियों ने आयुर्वेद का प्रचार किया है। मनुष्य लोक में धन्वन्तरि को इसका प्रथम प्रचारक माना जाता है। आगे चलकर चरक, सुश्रुत और वाग्भट्ट आयुर्वेद के प्रसिद्ध आचार्य हुए हैं। उनका कहना है– ''आयुर्वेद के नियमों के पालन से मानव सुख से सौ वर्ष तक जीता है और स्वस्थ जीवन व्यतीत करता है।''

4. 'भू' धातु के लृट लकार के रूप लिखिए–

(Write 'Roop' of 'Lrit lakar' of 'Bhoo' Dhatu)

पुरुष	एकवचन	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथम	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति
मध्यम	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ
उत्तम	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) वेदाः इव अस्माकम् चत्वारः उपवेदाः सन्ति।

(ख) धन्वन्तरिः आयुर्वेदस्य प्रथमः प्रचारकः आसीत्।

(ग) आयुर्वेदस्य नियमानां पालनेन वयं शताणि वर्षाणि जीवनं यापयामः।

(घ) मिथ्याहारेण-मिथ्याविहारेण मनुष्यः रुग्णः भवति।

(ङ) समुचित-पथ्य-पालनेन मनुष्यः शीघ्रः स्वस्थः भवति।

संस्कृतम् - 5

वन्दनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) कुन्दस्य पुष्पम् सरस्वती माता धारयति।

(ख) सरस्वती माता शुभ्रं वस्त्रं धारयति।

(ग) ब्रह्मा, अच्युतः, शंकरः च आदि देवः भगवतीं स्तुतिं कुर्वन्ति।

(घ) भगवती जाड्यम् अपाकरोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) **या** कुन्देन्दुतुषारहार **धवला या** शुभ्रवस्त्रावृता या।

(ख) वीणावरदण्डमण्डितकरा **या श्वेतपद्मासना।**

(ग) **या ब्रह्माच्युत** शंकरप्रभृतिभिर्देवैः **सदा वन्दिता।**

(घ) **सा मां पातु** सरस्वती।

3. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) सरस्वती माता कुन्दस्य पुष्पसमो अस्ति।

(ख) सरस्वत्याः हस्ते वीणा सुशोभिता।

(ग) सा श्वेत पद्मासने विराजमान अस्ति।

(घ) त्रिदेवः तस्या वन्दन्ते।

(ङ) अहम् भगवतीं सरस्वतीं वन्दे।

प्रथमः पाठः मूर्ख पण्डिताः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) ग्रामे चत्वारः पण्डिताः आसन्।

(ख) त्रयः पण्डिताः शास्त्रेषु तु पारंगताः परंतु व्यवहारे बुद्धिरहिताः आसन्।

(ग) पण्डिताः मार्गे एकस्य मृतसिंहस्य अस्थीनि दृष्टवंतः।

(घ) प्रथमः पण्डितः सिंहस्य अस्थीनि योग्य क्रमेण योजितवान्।

(ङ) त्रयः पण्डिताः सिंहस्य जीवितः कृतवान् परन्तु चतुर्थः वृक्षम् आरूढवान्। अतः जीवितः भूत्वा स सिंहः त्रीन् अपि पण्डितान् हत्वा खादितवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) अपरः **(ख)** अवसरः **(ग)** प्राणदानं **(घ)** बुद्धिः

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

ग्रामे	सप्तमी	**शास्त्रेषु**	सप्तमी	**शास्त्रं**	द्वितीया
सिंहस्य	षष्ठी	**अस्थीनि**	द्वितीया	**क्रमेण**	तृतीया
वृक्षम्	द्वितीया	**त्रीन्**	द्वितीया	**पंडिताः**	प्रथमा

4. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) एकस्मिन् ग्रामे चत्वारः पण्डिताः निवसन्ति स्म।

(ख) चतुर्थः पंडितः बुद्धिमानः आसीत्।

(ग) वयं स्वं विद्यायाः परीक्षां कुर्याम्।

(घ) सिंहः जीवितः अभवत्।

(ङ) सिंह त्रयोऽपि हत्वा खादितवान्।

द्वितीयाः पाठः देवी सावित्री

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) मद्रदेशे अश्वपतिः नाम्नः राजा अनिवसत्।

(ख) तस्य पुत्री सावित्री नाम आसीत्।

(ग) नारदः नृपम् अवदत्– ''अहो बत महत् पापं सावित्र्या नृपते! कृतम्।।' अज्ञानतया सावित्र्या गुणवानः सत्यवानः वृतः।।''

(घ) नारदस्य कथनानुसार सत्यवाने दोषम् आसीत् यत् सत्यवानः अल्पायुः आसीत्।

(ङ) यमराजः सत्यवानस्य प्राणान् अहरत्। सावित्री यमराजम् अन्वगच्छत्। यमः तां पुनः पुनः अवारयत् परन्तु सा अनुगमनं न अत्यज्यत्। विवशः यमराजः सत्यवानस्य प्राणान् प्रत्यर्पयत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) वरम् **(ख)** अल्पायुः **(ग)** सावित्र्याः, सत्यवानेन **(घ)** वनम्

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की विभक्ति बताइए–

(Write the case of the underlined words in the following sentences)

(क) सप्तमी **(ख)** सप्तमी, चतुर्थी

(ग) चतुर्थी **(घ)** षष्ठी

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) सत्यवानः अल्पायुः आसीत्।

(ख) सावित्र्याः पितुः नाम अश्वपतिः आसीत्।

(ग) नारदः नृपं सावित्र्याः विवाहः सत्यवानेन सह कर्तुं प्रतिषेधं अकरोत्।

(घ) यमराजः सावित्रीं स्वानुगमनम् अपश्यत्।

(ङ) अन्ते यमराजः सत्यवानस्य प्राणान् प्रत्यर्पयत्।

तृतीयाः पाठः असत्यं न ब्रूयात्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) ग्रामे एकः मेषापालकः अवसत्।

(ख) मेषापालकस्य नाम धर्मदासः आसीत्।

(ग) मेषापालकस्य रुचि असत्यसंभाषणे आसीत्।

(घ) मेषापालकः मिथ्यावचनम् अवदत्।

(ङ) अन्ते असत्यसंभाषनेन् धर्मदासं तस्य मेषाम् च सिंहः अमारयत् अभक्षयत् च।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) धर्मदासः **(ख)** सिंहः **(ग)** यष्टीन **(घ)** सिंहः

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(Frame the sentences of the following words):

(क)	**असत्य संभाषणे**	धर्मदासः असत्यं संभाषणेन प्राणान् अत्यजत्।
(ख)	**अमारयत्**	सिंहः धर्मदासं अमारयत्।
(ग)	**तदैव**	अपरास्मिन् दिने अपि धर्मदासः तदैव अकरोत्।
(घ)	**मुहुर्मुहुः**	स मेषापालकः मुहुर्मुहु तथैव करोति स्म।
(ङ)	**ब्रूयात्**	कदापि असत्यं न ब्रूयात्।

4. निम्नलिखित अवतरण का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

ग्रामीण उसके शब्द सुनकर हाथों में लाठियाँ लेकर उसके पास आए। उन्होंने पूछा– शेर कहाँ हैं? धर्मदास जोर से हँसा– मैंने तो मजे के लिए यह कहा था। शेर कहीं नहीं है। अपमानित ग्रामीण गाँव चले गए। दूसरे दिन भी धर्मदास ने ऐसा ही किया। ग्रामीण तब भी उसके पास आए किन्तु वे पुनः लज्जित होकर अपने खेत में चले गए। उस गडरिए ने यह सब बार-बार किया।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) एकस्मिन् ग्रामे धर्मदासः नाम्नाः मेषापालकः अनिवसत्।

(ख) मेषापालकस्य रुचिः असत्यसंभाषणे आसीत्।

(ग) रक्षतु माम्।

(घ) सिंहः एकस्मिन् दिने वस्तुतः आगच्छत्।

(ङ) सिंहः मेषापालकं हत्वा खादितवान्।

चतुर्थः पाठः रक्षाबन्धनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) भारतवर्षे अनेके महोत्सवाः आयोज्यन्ते; यथा– विजयादशमी, दीपावली, होलिकोत्सवः रक्षाबन्धनं च।

(ख) रक्षाबन्धनं प्रतिवर्षं श्रावणमासस्य पूर्णिमायां भवति।

(ग) रक्षासूत्रं भगिन्याः प्रेम्णः प्रतीकम् अस्ति।

(घ) भगिन्यः भ्रातृणां करेषु रक्षासूत्राणि बध्नन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) श्रावणमासस्य पूर्णिमायां **(ख)** रक्षासूत्राणि **(ग)** भगिनीभ्यः **(घ)** रक्षाबन्धनस्य

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

रक्षासूत्र बहन के प्रेम का प्रतीक है। बहनें भाइयों के हाथों में रक्षासूत्र बाँधती हैं। बहनें इस अवसर पर भाइयों की दीर्घ आयु और जीवन की कामना करती हैं। भाई बहनों को उपहार प्रदान करते हैं।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

अनेके	सप्तमी	**उत्सवेषु**	सप्तमी	**पूर्णिमायां**	सप्तमी
हर्षोल्लासेन	तृतीया	**प्रेम्णः**	षष्ठी	**रक्षासूत्राणि**	प्रथमा
भातृणां	षष्ठी	**रक्षाबन्धनस्य**	षष्ठी	**प्रतीकम्**	द्वितीया

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) रक्षाबन्धनं श्रावणमासे भवति।

(ख) सर्वत्र आनन्देव आनन्दः भवति।

(ग) भ्रातरः भगिनीभ्यः उपहाराणि प्रयच्छति।

(घ) रक्षाबन्धनं परस्परं स्नेहस्य प्रतीकम् अस्ति।

(ङ) राज्ञी कर्मवती हुमायूँ रक्षासूत्रं प्रेषितवती।

पंचमः पाठः अमृतवचनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) कस्मिंश्चित् जनस्य स्वभावो न परिवर्तिताः।

(ख) यः देशान् सञ्चरते पण्डितान् सेवते च, तस्य बुद्धिः विस्तारिता।

(ग) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः तेषां मर्त्यलोके जनाः भार भवन्ति।

(घ) अधमाः धनम् इच्छन्ति।

(ङ) चौरः धनं हरति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) स्वभावो **नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा।**
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति **शीतताम्।।**

(ख) न **चौरहार्यं** न राजहार्यं न **भ्रातृभाज्यं** न च भारकारि।
व्ययेकृते वर्धति एव नित्यं **विद्याधनं** सर्वधन प्रधानम्।।

3. निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following Shlokas)

(क) वह व्यक्ति जो अलग-अलग जगहों या देशों में घूमता है और विद्वानों की सेवा करता है। उसकी बुद्धि उसी तरह से बढ़ती है जैसे तेल का बूँद पानी में गिरने के बाद फैल जाता है।

(ख) जिन लोगों के पास विद्या, तप, दान, शील, गुण और धर्म नहीं होता, ऐसे लोग इस धरती के लिए भार हैं और मनुष्य के रूप में जानवर बनकर घूमते हैं।

(ग) इसे न तो कोई चुरा सकता है, न राजा छीन सकता है, न इसको संभालना मुश्किल है और न ही इसका भाइयों में बँटवारा होता है। यह खर्च करने से सदैव बढ़ता ही है, विद्या सभी धनों से श्रेष्ठ है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) शीत जलं सुतप्तम् तप्तं भवति।

(ख) तैलं जले विस्तारिता।

(ग) विना विद्यां, तपं, दानं, जनाः मृत्युलोके भारं भवन्ति।

(घ) मध्यमाः जनाः धनं मानं च उभयो इच्छन्ति।

(ङ) विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।

षष्ठः पाठः दुष्टतायाः परिणामः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) दुष्टः वानरः एकस्मिन् वने अनिवसत्।

(ख) दुष्टेन वानरेन पीड़ितः शृगालः तम् अवदत्– तव शरीरम् अति शोभनं पर रक्तमुखं न शोभते। यदि त्वं स्वर्गफलस्य सेवनं करिष्यसि तर्हि तव मुखं गौरवर्णं भविष्यति।

(ग) वानरः शृगालं अपृच्छत् – ''कुतः प्राप्यते स्वर्गफलम्?''

(घ) क्रुद्धः गजः शुण्डेन गृहीत्वा तं वानरं भूयः भूयः भूतले तावत् न्यपातयत् यावत् सः मृत्युं न प्राप्नोत्।

(ङ) अन्ते क्रुद्धः गजः दुष्टं वानरं अमारयत्। एवं सः दुष्टः स्वर्गफलं प्राप्तवान्। वनस्य सर्वे पशुपक्षिणः प्रसन्नाः अभवन्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) वानरः **(ख)** रक्तमुखं **(ग)** चतुरः **(घ)** गजस्य

3. इस पाठ का संस्कृत में सारांश लिखिए–

(Write summary into Sanskrit of this lesson)

एकस्मिन् वने बहवः पशवः पक्षिणः च निवसन्ति स्म। तेषु एकः दुष्टः वानरः अपि आसीत्। सः अन्यान् जीवान् अपीडयत्। एकः शृगालः तम् अकथयत् यत् यदि त्वं स्वर्गफलस्य सेवनं करिष्यसि तर्हि तव मुखं गौरवर्णं भविष्यति। तदा दुष्टः वानरः स्वर्गफलस्य विषये अपृच्छत्। शृगालः अकथयत् यत स्वर्गफलं गजस्य मस्तके स्थितः। वानरः गजस्य मस्तके फलाय एकस्य गजस्य मस्तके प्रहारम् अकरोत्। गजः क्रुद्धं अभवत्। अतएव गजः तम् दुष्टं वानरं शुण्डेन गृहीत्वा भूयः भूतले न्यपातयत् अमारयत् च। वनस्य सर्वे पशुः पक्षिणः च प्रसन्नाः अभवन्। एवं दुष्टः वानरः स्वदुष्टतायाः परिणामं अलभत्।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

पक्षिणः	प्रथमा	**जीवान्**	द्वितीया	**स्वर्गफलस्य**	षष्ठी
येन	तृतीया	**शाखायां**	सप्तमी	**शुण्डेन**	तृतीया
भूतले	सप्तमी	**स्वर्गफलं**	द्वितीया	**वनस्य**	षष्ठी

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) एकस्मिन् वने बहवः पशुपक्षिणः अनिवसत्।

(ख) वानरः अति दुष्टः आसीत्।

(ग) शृगालः अति चतुरः आसीत्।

(घ) क्रुद्धः गजः वानरं शुण्डेन गृहीत्वा भूतले न्यपातयत्।

(ङ) वानरं तस्य दुष्टतायाः परिणामः अमिलत्।

सप्तमः पाठः गुरोः प्रश्नाः शिष्यस्य उत्तरं

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) उभयोः लोकयोः धर्मात्मा श्रेष्ठी धन्य अस्ति।

(ख) तपोधनः साधु परलोके धन्यः परं अत्र न।

(ग) कृपणः श्रेष्ठी धन्य परलोके न।

(घ) निषादः व्याधः उभयोः लोकयोः धन्य नास्ति।

(ङ) प्रश्नानाम् उत्तरं श्रुत्वा गुरुः अतीव प्रसन्नः अभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) चत्वारः **(ख)** धर्मात्मा **(ग)** कृपणः **(घ)** साधुः

3. निम्नलिखित संस्कृत शब्दों से वाक्य बनाइए–

(Frame the sentences of the following Sanskrit words):

(क)	**चत्वारः**	अत्र चत्वारः प्रश्नाः सन्ति।
(ख)	**परलोके**	साधुः परलोके धन्यः अस्ति।
(ग)	**श्रेष्ठी**	कृपणः श्रेष्ठी परलोके धन्य नास्ति।
(घ)	**लोकयोः**	उभयोः लोकयोः धर्मात्मा श्रेष्ठी धन्याः अस्ति।
(ङ)	**व्याधः**	निषादः व्याधः उभयोः लोकयोः धन्यः नास्ति।
(च)	**श्रुत्वा**	एतत् श्रुत्वा सः प्रसन्नं अभवत्।

4. निम्नलिखित वाक्यों में दिये गए शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–

(State the case and number of the given words)

वाक्य	**विभक्ति**	**वचन**	**वाक्य**	**विभक्ति**	**वचन**
एतेषाम्	षष्ठी	बहुवचन	**प्रश्नाः**	प्रथमा	बहुवचन
लोकयोः	सप्तमी	द्विवचन	**परलोके**	सप्तमी	एकवचन
कृपणः	प्रथमा	एकवचन	**प्रश्नानाम्**	षष्ठी	बहुवचन

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) मम चत्वारः प्रश्नानाम् उत्तरं देहि।

(ख) उभयोः लोकयोः श्रेष्ठी अस्ति।

(ग) कृपणः परलोके धन्यः नास्ति।

(घ) उभयोः लोकयोः धन्यः नास्ति।

(ङ) गुरु कठिनानां प्रश्नानाम् उत्तरं श्रुत्वा अति प्रसन्नाः अभवत्।

अष्टमः पाठः सुभाषचन्द्रः बोसः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) सुभाषचन्द्रः अन्य नाम नेताजी आसीत्।

(ख) सुभाषचन्द्रस्य जन्म उत्कल प्रान्तस्य कटक प्रदेशे 23 जनवरी, 1897 तमे ईस्वीये अभवत्।

(ग) सुभाषचन्द्रस्य पितुः नाम जानकीनाथः आसीत्।

(घ) सुभाषचन्द्रः 1920 तमे वर्षे गान्धिना प्रचाल्यमाने असहयोगान्दोलने प्रविष्टवान्।

(ङ) सुभाषचन्द्रस्य प्रसिद्धः उद्घोषः आसीत् - जयहिन्द।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) अग्रगण्यः **(ख)** उच्चपदम् **(ग)** आङ्गलीयानां **(घ)** आजादहिन्द सेनायाः

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

नेतारः	प्रथमा	**प्राप्य**	प्रथमा	**त्यक्तवान्**	प्रथमा
महद्	प्रथमा	**कृता**	प्रथमा	**अनेकानि**	प्रथमा
विदेशेषु	सप्तमी				

4. निम्नलिखित अवतरण का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

सुभाषचंद्र ने आजाद हिंद सेना की स्थापना की। इस सेना का उद्घोष (नारा) था– ''या तो कार्य पूर्ण करो अथवा शरीर समाप्त कर दो।'' इनकी सेना का भारतवर्ष की आजादी के युद्ध में बहुत बड़ा योगदान था। इस सेना ने विदेशों में भी युद्ध किया। द्वितीय महायुद्ध में जापान देश की हार हो गई। इससे इनकी सेना ने विवशतावश शस्त्रों को छोड़ दिया। सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) अस्मासु देशे बहवः नेतारः अभवन्।

(ख) सुभाषचन्द्रः बोसस्य पिता अधिवक्ता आसीत्।

(ग) सुभाषचन्द्रः बोसः अनेकवारं कारागारं गतः।

(घ) सैनिकाः आत्मसमर्पणम् अकुर्वन्।

(ङ) सुभाषचन्द्रस्य बोसस्य प्रसिद्धः उद्घोषः आसीत् – जयहिंद।

नवमः पाठः गुरुभक्तः आरुणिः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) गुरुः आरुणिम् आदिशत् – केदारखण्डं वध्वा रक्ष।

(ख) यदा आरुणि एकं मार्गं बन्धितुं न समर्थं तदा आरुणिः स्वयमेव तत्र समाविशत्।

(ग) सन्ध्यासमये ऋषिः शिष्यान् अपृच्छत् – ''कुत्र गतः आरुणिः ?''

(घ) आरुणिः क्षेत्रे केदारखण्डस्य बाधयति स्म।

(ङ) ऋषिः आरुणेः गुरुभक्तिं दृष्ट्वा विस्मितोऽभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) धौम्यः **(ख)** केदारखण्डं **(ग)** आरुणिः **(घ)** केदारखण्डाद्

3. निम्नलिखित वाक्यों में दिये गए शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–

(State the case and number of the given words)

वाक्य	**विभक्ति**	**वचन**	**वाक्य**	**विभक्ति**	**वचन**
नाम्नः	पंचमी	एकवचन	**मेघे**	सप्तमी	एकवचन
वेगेन	तृतीया	एकवचन	**शिष्यान्**	द्वितीया	बहुवचन
केदारखण्डाद्	पंचमी	एकवचन			

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) धौम्य ऋषेः अनेके शिष्याः आसीत्।

(ख) आरुणिः केदारखण्डे समाविशत्।

(ग) ततो जलस्य प्रवाहोरुद्धोऽभवत्।

(घ) आरुणिः कुत्र गतः?

(ङ) आरुणेः गुरुभक्तिं दृष्ट्वा ऋषिः विस्मितोऽभवत्।

दशमः पाठः गीतोपदेशः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) युद्धे हतो स्वर्गम् प्राप्यिष्यति।

(ख) ध्यायतो विषयाम् मनुष्यम् आसक्तिं भवति।

(ग) श्रीकृष्णः सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यति, अतएव श्रीकृष्ण 'मा शुचः' कथयति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) प्राप्यसि **(ख)** सङ्गस्तेषूपजायते

(ग) श्रद्धावान्ल्लभते **(घ)** सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) युद्धाय कृतनिश्चयः, त्वं जित्वा राज्यं प्राप्यसि।

(ख) ध्यायतो विषयाम् मनुष्यम् तेषु आसक्तिं भवति।

(ग) श्रेष्ठ पुरुषः यत् आचरति, तत् अपरापुरुषाः कुर्वन्ति।

(घ) पराशान्तिं प्राप्तुं संयमः आवश्यकः अस्ति।

(ङ) सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।

एकादशः पाठः ब्राह्मणस्य स्वप्नः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) ब्राह्मणः गङ्गातटे एकस्मिन् नगरे वसति स्म।

(ख) ब्राह्मणः अलसः किंतु महत्त्वाकांक्षी आसीत्।

(ग) ब्राह्मणः भिक्षाटनेन स्वजीवनयापनं करोति स्म।

(घ) एकदा ब्राह्मणः भिक्षायां घृतेन पूर्णम् एकं घटं प्राप्तवान्।

(ङ) विचारमग्नः ब्राह्मणः घटे पादप्रहारं कृतवान्। तस्य पादघातेन घृतेन पूर्णः घटः भग्नः अभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) दरिद्रः **(ख)** नागदन्ते **(ग)** धनं **(घ)** अजे **(ङ)** स्वप्नः

3. निम्नलिखित शब्दों में विभक्ति व वचन बताइए–

(Write the case and number of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
गंगातटे	सप्तमी	एकवचन	**भिक्षायां**	सप्तमी	एकवचन
भृत्याः	प्रथमा	बहुवचन	**धनेन**	तृतीया	एकवचन
विशाल गृहस्य	षष्ठी	एकवचन	**भूमौ**	सप्तमी	एकवचन

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) तत्र एकः दरिद्रः ब्राह्मणः वसति स्म।

(ख) घृतेन पूर्णम् घटं ब्राह्मणः नागदन्ते अवलम्बितवान्।

(ग) सः खट्वायाम् अशेत्।

(घ) तदनन्तरम् अहम् महिषीं क्रेष्यामि।

(ङ) तस्य घृतेन पूर्णम् घटं भग्नः।

द्वादशः पाठः विज्ञानस्य चमत्कार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) दूरभाषयन्त्रस्य आविष्कारः षट्चत्वारिंशदधिक अष्टादशत् (1846 ई0) तमे वर्षे अभवत्।

(ख) अस्माकं देशे दूरदर्शनस्य आविष्कारः पञ्चविंशत्युत्तर एकोनविंशतिः (1925 ई0) तमे वर्षे अभवत्।

(ग) वायुयानं अति द्रुतगति गगने उत्पतति।

(घ) अन्तरिक्षस्य प्रथमः यात्री यूरी गागरिनः महोदयाः आसीत्।

(ङ) 1968 तमे वर्षे त्रयः यात्रिणः चन्द्रस्य समीपे गन्तुं समर्थाः अभवन्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) ग्राह्मबेल **(ख)** मनोरंजनस्य **(ग)** वायुयानं **(घ)** राकेट यन्त्रस्य, चतुर्थे

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

यह दूरदर्शन यंत्र है। दूरदर्शन हमारे मनोरंजन का साधन है। मनोरंजन एक आवश्यक साधन है। इसकी सहायता से घर में रहने वाले लोग देशों और विदेशों के चित्र सहित अनेक विविध प्रकार के समाचार सुनते और देखते हैं। इस दूरदर्शन का आविष्कार (1925) उन्नीस सौ पच्चीस ई0 वर्ष में हुआ।

4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–

(State the case and number of the underlined words in following sentences)

(क) अस्य यन्त्रस्य आविष्कारः ग्राहम बैल नामकः वैज्ञानिक महोदयेन कृतः।

(ख) अनेन दूरभाषेण जनाः एकस्मिन् एव स्थाने स्थिताः अन्येषु स्थानेषु देशेषु विदेशेषु च स्थितैः जनैः सह वार्तालापं कर्तुं समर्थाः भवन्ति।

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
यन्त्रस्य	षष्ठी	एकवचन	**महोदयेन**	तृतीया	एकवचन
दूरभाषेण	तृतीया	एकवचन	**जनाः**	प्रथमा	बहुवचन
स्थाने	सप्तमी	एकवचन	**स्थिताः**	प्रथमा	बहुवचन
अन्येषु	सप्तमी	बहुवचन	**स्थितैः**	तृतीया	बहुवचन
वार्तालापं	द्वितीया	एकवचन	**समर्थाः**	प्रथमा	बहुवचन

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) दूरभाषस्य आविष्कारः 1846 वर्षे तमे अभवत्।

(ख) दूरभाषस्य विना जनानाम् कार्यं न प्रचलति।

(ग) दूरदर्शनं अस्मभ्यं मनोरंजनस्य साधनमस्ति।

(घ) वायुयानस्य आविष्कारः राइट ब्रदर्स महोदयौ अकुरुताम्।

(ङ) राकेट यन्त्रस्य गतिः वायुयानादपि द्रुततरा अस्ति।

त्रयोदशः पाठः एकतायाः भावनाः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) संसारे एकतायाः अतीव आवश्यकता वर्तते।

(ख) जलबिन्दुसमूहेन नद्यः सागरश्च भवन्ति।

(ग) तन्तु समूहेन पटः जायते।

(घ) यत्र एकतायारभावः तत्र सुख समृद्धेरपि अभावः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) भारतीयेषु, स्वतन्त्रं (ख) जलबिन्दुसमूहेन (ग) जलबिन्दुसमूहेन (घ) एकतया (ङ) मानवाः

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

(क) छोटी-छोटी वस्तुओं से भी कार्य सिद्ध होते हैं, क्योंकि घास की बनी रस्सी से मदमस्त हाथी भी बँध जाते हैं।

(ख) एकता से मनुष्य ताकतवर होता है। एकता से ही समाज, राष्ट्र उन्नति के रास्ते पर बढ़ते हैं (जाते हैं)। सभी मनुष्य एकता की भावना से युक्त हों। उनका जाना, विचार मन, भाषण (कहना) और संकल्प आदि एकता की भावना से ही प्रेरित हो। इस प्रकार हम संसार में सुख-शांति प्राप्त करने में समर्थ होंगे। जहाँ एकता का अभाव होता है, वहाँ सुख-समृद्धि का भी अभाव होता है। इसलिए देश में सुख-समृद्धि पाने के लिए एकता बनाए रखनी चाहिए। एकता का अद्भुत प्रभाव होता है।

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

एकतायाः	षष्ठी	**राष्ट्रे**	सप्तमी	**परतन्त्रतायाः**	षष्ठी
पाशे	सप्तमी	**अभावात्**	पंचमी	**भारतीयेषु**	सप्तमी
तन्तुसमूहेन	तृतीया	**क्षुद्राणि**	प्रथमा	**मानवाः**	प्रथमा

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) संसारे एकतायाः अतीव आवश्यकता वर्तते।

(ख) यत्र एकतायाः अभावः तत्र परतन्त्रता भवति।

(ग) जलबिन्दुसमूहेन सागराः भवन्ति।

(घ) मृत्तिकाकणसमूहः पर्वतों भवति।

(ङ) एकतायाः अद्भुतः एव प्रभावः।

चतुर्दशः पाठः वर्षा ऋतुः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) ग्रीष्मानन्तरे वर्षा ऋतु आगच्छति।

(ख) वर्षा-ऋतौ अधिकतया वृष्टिः भवति।

(ग) वर्षा-ऋतौ आकाशमण्डलं निरन्तरं मेघैः आच्छन्नं तिष्ठति।

(घ) अस्मिन् समये कृषकाः भूमिं कर्षन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) तृतीयः **(ख)** अधिकतया **(ग)** रमणीयं **(घ)** मंगलकारी आनन्ददायकः

3. निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाइए–

(Frame the sentences of the following words) :

ग्रीष्मानन्तरं ग्रीष्मानन्तरं वर्षा-ऋतुः आगच्छन्ति।

प्रायेण वर्षा-ऋतौ प्रायेण सर्वत्र वृष्टिः भवति।

जलबिन्दवः वर्षा-ऋतौ जलबिन्दवः पतन्ति।

रूपाणि वर्षा-ऋतुकाले प्रकृतिः विविधानि रूपाणि धारयति।

कर्षन्ति वर्षा-ऋतौ कृषकाः भूमिं कर्षन्ति।

क्षेत्रेषु कृषकाः अस्मिन् काले क्षेत्रेषु बीजानि वपन्ति।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) वर्षा-ऋतौ प्रायेण वृष्टिः भवति।

(ख) वर्षाकाले कदाचित् विद्युतः विस्फुरन्ति, कदाचित् अन्धकारः भवति।

(ग) वर्षा-ऋतौ आकाशे मेघाः गर्जन्ति।

(घ) वर्षा कृष्यै बहुलाभदायक भवति।

(ङ) वयम् अस्मिन् दिने क्षेत्रेषु बीजानि वपामः।

पञ्चदशः पाठः उद्यानम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) उद्यानम् बहु सुन्दरम् रमणीयं च स्थानं भवति।

(ख) वृक्षेषु पर्णं पुष्पं च शोभन्ते।

(ग) उपवने विविधेषु पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति मधुपानं च कुर्वन्ति।

(घ) उद्यानस्य मध्ये एकम् सरोवरम् अपि अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) वृक्षाः **(ख)** पर्णैः पुष्पैः **(ग)** लताः **(घ)** उद्याने

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए

(Write the case and number of the following words)

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
वृक्षाः	प्रथमा	बहुवचन	**पर्णैः**	तृतीया	बहुवचन
फलानि	प्रथमा	बहुवचन	**वृक्षाणां**	षष्ठी	बहुवचन
पुष्पेषु	सप्तमी	बहुवचन	**भ्रमराः**	प्रथमा	बहुवचन
उद्यानस्य	षष्ठी	एकवचन			

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

बाग (उद्यान) बहुत सुन्दर और रमणीय स्थान होता है। यहाँ अनेक वृक्ष होते हैं। वृक्ष पेड़ों और पत्तों से सुशोभित होते हैं। पके हुए फल भी वृक्षों पर सुशोभित होते हैं। लोग वृक्षों के फल खाते हैं। उपवन में लताएँ भी चढ़ती हैं। उपवन में बहुत से रंगों के फूल भी होते हैं। फूलों पर भौंरें गूँजते हैं और मधुपान करते हैं। उद्यान में सुबह-शाम बालक गेंद से खेलते हैं। लोग उद्यान में शान्ति का अनुभव करते हैं। अनेक लोग भी उद्यान में घूमते हैं। उद्यान के बीच में एक तालाब भी होता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) उद्यानम् सुंदरम् स्थानं भवति। **(ख)** अत्र अनेकाः वृक्षाः सन्ति।

(ग) उद्याने विविधानि फलानि-पुष्पाणि सन्ति। **(घ)** पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।

(ङ) उद्यानस्य मध्ये एकम् सरोवम् भवति।

षोडशः पाठः जलस्य महत्त्वम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) मानवजीवने अन्नापेक्षया जलस्य अधिकं महत्त्वम् अस्ति।

(ख) जलस्य पर्यायवाचकं शब्दं 'जीवनम्' अस्ति।

(ग) देशस्य आधारस्तम्भं कृषिकार्यम् भवति।

(घ) अस्माकं देशः नदीजलेन शस्य सम्पन्नाः भवति।

(ङ) जलस्य उपयोग विविधानि सन्ति। यथा– कृषेः विकासाय, देशस्य आर्थिक-भौतिक विकासाय, अस्मभ्यं पशुभ्यः पक्षीभ्यः च तथा विद्युदुत्पादनाय इत्यादयः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) कृषिप्रधानः **(ख)** नदीजलेन **(ग)** वृष्टिजलम् **(घ)** तृणादीनि

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए

(Write the case and number of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
मानवजीवने	सप्तमी	एकवचन	**अन्नापेक्षया**	तृतीया	एकवचन
राष्ट्रस्य	षष्ठी	एकवचन	**विकासाय**	चतुर्थी	एकवचन
जलेन	तृतीया	एकवचन	**क्षेत्राणि**	प्रथमा	बहुवचन
कुल्याभिः	तृतीया	बहुवचन			

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passages)

नदी के लिए वर्षा का जल सहायक होता है। जल के बिना घास भी जीवित नहीं रह सकती है। घास पशुओं का आहार होती है। नदी का जल बिजली बनाने में भी सहायक होता है। अतः जल राष्ट्र के जीवन की उन्नति में अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) मानवाय जलं आवश्यकं अस्ति।

(ख) नद्यः वृष्टिजलम् अवलम्बिताः भवन्ति।

(ग) तृणानि पशुनाम् आहाराः भवन्ति।

(घ) नद्याः जलेन विद्युतः अपि उत्पाद्यते।

(ङ) राष्ट्रस्य उन्नत्यै जलस्य योगदानं भवति।

सप्तदशः पाठः केन किं बर्धते?

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer the following questions)

(क) दानेन कीर्तिः वर्धते।

(ख) सुवचनेन मैत्री वर्धते।

(ग) औदार्येण प्रभुत्वम् वर्धते।

(घ) दुर्वचनेन कलहः वर्धते।

(ङ) अशौचेन दारिद्र्यम् वर्धते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) रागः **(ख)** विश्वासः **(ग)** हर्षः **(घ)** कुटुम्बकलहेन

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–
(Translate into Sanskrit)

(क) विनयेन गुणः वर्धते।

(ख) परिश्रमेण संपत्तिः वर्धते।

(ग) क्षमया तपः वर्धते।

(घ) लाभेन लोभः वर्धते।

(ङ) तृणैः वैश्वानरः वर्धते।

अष्टादशः पाठः द्वे मित्रयोः कथा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(Answer of the following questions)

(क) नगरे द्वे मित्रे अवसताम्।

(ख) द्वौ मित्रयोः नाम रोहितः अनुभवः स्तः।

(ग) द्वौ मित्रे नगरात् बहुदूरं वने अक्रीडताम्।

(घ) द्वाभ्यां मित्राभ्यां एकः भल्लूकः दृष्टः।

(ङ) भल्लूकः रोहितम् अकथयत् यत् यः विपत्तौ सहायो न भवति तस्मिन् मित्रे कदापि विश्वासः न कार्यः इति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(Fill in the blanks)

(क) रोहितः अनुभवः च द्वे **(ख)** नगरात् **(ग)** सरितः **(घ)** भल्लूकः **(ङ)** भल्लूकः, अनुभवः

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–
(Frame the sentences of the following words)

द्वे – रोहितः अनुभवः च द्वे मित्रे एकस्मिन् नगरे अवसताम्।

वृक्षैः – उपवनं वृक्षैः पुष्पैः च सुशोभितं आसीत्।

तृषार्तौ – तौ तृषार्तौ अभवताम्।

आपदः – रक्षस्व माम् अस्या आपदः।

निर्गतः – भल्लूकः तत्रात् निर्गतः।

तस्मिन् – तस्मिन् मित्रे कदापि न विश्वासः कुर्यात्।

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

जब भालू चला गया, तो अनुभव वृक्ष से उतरा और मजाक उड़ाते हुए पूछा– हे मित्र! भालू कुछ समय तक तुम्हारे पास रुका था। उसने तुम्हारे कान में क्या कहा? रोहित बोला– ''भालू ने कहा कि जो विपत्ति में सहायक नहीं होता, उस मित्र पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) द्वे मित्रे प्रगाढ़ा मैत्री आसीत्।

(ख) एकदा तौ नगरात् बहुदूरं वनम् अगच्छताम्।

(ग) उभौ सुचिरम् अक्रीडताम् तौ तृषार्तौ अभवताम् च।

(घ) अस्यां विपदि कः मम सहायः?

(ङ) यः विपत्तौ सहायो न भवति तस्मिन् विश्वासः न कुर्यात्।

एकोनविंशति पाठः कक्षायाम् शिष्टाचारः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) अद्य सितम्बर मासस्य पञ्चदशः तमः दिनाङ्कस्य सोमवासरः च अस्ति।

(ख) अध्यापकः संस्कृतम् विषयम् पाठयिष्यति।

(ग) प्रथमः वारं बालकः लघुशङ्कार्थ गच्छति।

(घ) द्वितीयः वारं बालकः जलं पातुं गच्छति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) नमः **(ख)** उपस्थितो **(ग)** संस्कृतं **(घ)** जलं

3. 'गम्' धातु के 'लोट लकार' के रूप लिखिए–

(Write 'Roop' of 'Lot Lakar' of 'Gam' Dhatoo)

गम = जाना (लोट् लकार)

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम पुरुषः	गच्छतु	गच्छताम्	गच्छन्तु

मध्यम पुरुषः	गच्छ	गच्छतम्	गच्छत
उत्तम पुरुषः	गच्छामि	गच्छाव	गच्छाम

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) यूयम् उतिष्ठत। **(ख)** स्व उपस्थितिं वदतु।

(ग) स्व स्व पुस्तकानि उद्घाटयत। **(घ)** किम् अहं जलं पातुं गच्छेयम्?

(ङ) किम् वयम् स्वपुस्तकं उद्घाटयानि?

विंशतिः पाठः सिद्धार्थस्य हंसः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer the following questions)

(क) शुद्धोधनः कोशलदेशे राज्यम् करोति स्म।

(ख) शुद्धोधनस्य पुत्रस्य नाम सिद्धार्थः आसीत्।

(ग) राजकुमारः सिद्धार्थः उपवने भ्रमति स्म।

(घ) सहसा आकाशात् एकः राजहंसः अपतत्।

(ङ) देवदत्तः सिद्धार्थस्य पितृव्यः पुत्रः आसीत्।

(च) अन्तेः न्यायाधीशः निर्णयम् अकरोत–रक्षकः भक्षकात् प्रशस्यतरः भवति, सिद्धार्थः अस्य रक्षकः, अतः सः हंसम् नयतु।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) कोशलदेशस्य **(ख)** राजहंसा अपि **(ग)** सिद्धार्थः, हंसम् **(घ)** प्रशस्यतरः

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–

(Write the case and number of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
पुराकाले	सप्तमी	एकवचन	**सिद्धार्थस्य**	षष्ठी	एकवचन
स्वभावेन	तृतीया	एकवचन	**वृक्षेषु**	सप्तमी	बहुवचन
भ्रमराः	प्रथमा	बहुवचन	**परिचर्यया**	तृतीया	एकवचन
राजकुमारयोः	एकवचन	द्विवचन			

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

उपवन की शोभा को देखकर सिद्धार्थ बहुत प्रसन्न हुए। तभी अचानक एक राजहंस आकाश से गिरा। वह बाण के कारण घायल था। सिद्धार्थ शीघ्र उसके पास आए। राजहंस पीड़ा से कराह रहा

था। हंस को देखकर सिद्धार्थ का हृदय द्रवित हो गया। सिद्धार्थ उस हंस को तालाब के किनारे ले गए। उसके घाव को निर्मल जल से साफ किया। प्रेम के साथ उसका उपचार किया और हंस स्वस्थ हो गया। तभी सिद्धार्थ का चचेरा भाई देवदत्त वहाँ आया। वह सिद्धार्थ से बोला– ''यह मेरा हंस है।'' सिद्धार्थ बोले– ''यह हंस मेरा है। मैं इसे न दूँगा।''

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) राजकुमार सिद्धार्थस्य पितुः नाम राजा शुद्धोधनः आसीत्।

(ख) तदैव सहसा एकः राजहंसः अपतत्।

(ग) सिद्धार्थस्य हृदयम् आघ्रातं राजहसं दयया अद्रवत्।

(घ) अयं हसः मया बाणेन आघ्रातंभवति।

(ङ) रक्षकः भक्षकात् अति प्रशस्यतरः भवति।

एकविंशतिः पाठः कालिया-दमन

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(Answer of the following questions)

(क) यदा श्रीकृष्णः बालकः आसीत् तदा सः गोकुल ग्रामे अनिवसत्।

(ख) सर्वे गोपाः पिपासया व्याकुलाः भूत्वा मूर्छिताः अभवन्।

(ग) यमुनाजले कालिया नागः वसति स्म।

(घ) कालियानागस्य एकाधिकशताः फणाः आसन्।

(ङ) श्रीकृष्णः कालिया नागस्य तस्य फणानामुपरि आरुह्य अनृत्यत्। कालियानागस्य फणाः शनैः शनैः छिन्नाः-भिन्नाः अभवन्। एवं श्रीकृष्णः कालिया-दमनम् अकुर्वन्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) पिपासया **(ख)** कालियानागः **(ग)** विषयुक्तः **(घ)** कारणात् , विषयुक्तं

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following passage)

जब श्रीकृष्ण बालक थे तब वे गोकुल गाँव में रहते थे। एक बार वे वृन्दावन के पास में यमुना के किनारे गए। उनके साथ ग्वाले भी गए। ग्वालों ने प्यास से व्याकुल होकर यमुना का जल पी लिया। सभी ग्वाले मूर्छित हो गए। श्रीकृष्ण उन्हें मूर्छित देखकर बेचैन हो गए। वास्तव में यमुना के जल में कालिया नाग रहता था। उसने यमुना का जल जहरीली ज्वालाओं से विषाक्त कर दिया। अनेक पक्षी और पशु उस जल को पीकर मर गए। हवा भी उससे जहरीली हो गई। पेड़ उस हवा से सूख गए।

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(Frame the sentences of the following words)

यमुना तटे – यमुना तटे गोपाः अगच्छत्।

मूर्छिताः – सर्वे गोपाः मूर्च्छिताः अभवन्।

तेन – तेन यमुनाजलं विषज्वालभिः विषाक्तं कृतम्।

शुष्काः – वृक्षाः तेन वायुना शुष्काः जाताः।

फणाः – कालियानगस्य एकाधिकशताः फणाः आसन्।

तदनन्तरं – तदनन्तरं ततः सर्पः पलायितः।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) श्रीकृष्णः गोकुलग्रामे अनिवसत्।

(ख) सर्वे गोपाः जलं पीत्वा मूर्च्छिताः अभवन्।

(ग) वस्तुतः यमुनाजले कालिया नाग वसति स्म।

(घ) श्रीकृष्णः कालिया नागस्य फणंः आरुह्य अनृत्यत्।

(ङ) अन्ततः कालियानागः यमुनायाः पलायितः।